समाचार एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें।

पीतम सिंह यादव
9999164275

नई दिल्ली एवं गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित,लखनऊ,गाजियाबाद,मुजफ्फरनगर ,मेरठ,हापुड़,बुलन्दशहर ,बागपत,फरीदाबाद में एक साथ प्रसारित

दैनिक सांई मीडिया

विश्वास का प्रतीक

वर्ष : 16 अंक : 196 | गौतमबुद्धनगर संस्करण, मंगलवार, 15 जुलाई 2025 | पेज: 8 | मूल्य : 2 रूपये

सोशल मीडिया पर चल रही विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश जरुरी:सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अहम मामले की सुनवाई के दौरान सोमवार को कहा कि देश के नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अहमियत समझनी चाहिए और संयम का पालन करना चाहिए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सोशल मीडिया पर वर्तमान में चल रहे विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश लगाना होगा। कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी की वकालत कर कहा कि किसी भी सूरत में सेंसरशिप की बात नहीं होनी चाहिए बल्कि लोगों को आत्मसंयम और नियमन का पालन करना चाहिए।

शीर्ष अदालत ने भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से संबंधित दिशा-निर्देशों पर विचार कर कहा कि नागरिकों को

अभिव्यक्ति की आजादी है लेकिन उनके बीच भाईचारा भी बने रहना चाहिए। अदालत ने कहा कि कोई नहीं चाहता है कि राज्य/सरकार इसतरह के मामलों में दखल दे, लेकिन भाषण की स्वतंत्रता पर तार्किक पाबंदियां उचित हैं। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी के मूल्यों के बारे में लोगों को जागरूक होना चाहिए, क्योंकि कोई भी नहीं चाहता कि संबंधित सरकार नियंत्रित करने के लिए हस्तक्षेप करे। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ शिकायतकर्ता वजाहत खान द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर शीर्ष अदालत ने राज्यों और केंद्र से कहा कि वे सोशल मीडिया पर अभद्र भाषा को कंट्रोल करें। हालांकि, कोर्ट ने साफ किया कि सरकार ऐसी कोई भी कोशिश न करे जिससे अभिव्यक्ति की आजादी की पवित्रता का उल्लंघन हो।

शीर्ष अदालत की पीठ ने आत्मनियमन और आत्मसंयम पर जोर देकर कहा, लोगों को ऐसा भाषण अप्रिय या अनुचित क्यों नहीं लग रहा? सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले विषय-वस्तु का कुछ नियमन होना चाहिए और नागरिकों को इसतरह के घृणास्पद भाषणों (हेट स्पीच) को शेयर और लाइक करने से खुद को ही रोकना चाहिए।

हेट स्पीच पर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र और राज्यों को निर्देश

नफरत फैलाने वाले कंटेंट पर लगे लगाम

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया पर फैल रहे हेट स्पीच (नफरती भाषणों) को लेकर चिंता जाहिर की है। कोर्ट ने कहा है कि इन दिनों अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर सब कुछ जायज ठहराने की कोशिश कर रही है। ये बिल्कुल खतरनाक है।न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज फ्रांसिस विस्वनाथन की बेंच के द्वारा ये टिप्पणी उस याचिका पर सुनवाई करते हुए आई जो कि सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ वजाहत खान नाम के शख्स ने दायर की थी। बेंच ने कहा कि नफरती भरे भाषणों के खिलाफ कार्रवाई जरूरी है, लेकिन ये भी सुनिश्चित करने की जरूरत होगी कि किसी की भी बोलने की आजादी को कुचला न जाए। लोगों को भी अभिव्यक्ति की अधिकार का महत्व समझना चाहिए। यह अधिकार बेशकीमती है।

बेंच ने कहा कि लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मूल्य समझना चाहिए। राज्य को हर बार बीच में आकर कार्रवाई करनी पड़े, ये स्थिति नहीं होनी चाहिए। हेट स्पीच जैसे कंटेंट पर कुछ नियंत्रण ज़रूरी है। आम नागरिकों को भी ऐसे कंटेंट को शेयर करने, प्रमोट या लाइक करने से बचना चाहिए।

समाज में कुछ ऐसे लोग हों जो सरकार के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर करें

गडकरी ने कहा–अदालती आदेश से ऐसे काम हो सकते हैं जो सरकार नहीं कर सकती

नागपुर (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने लोक प्रशासन में अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए सरकार के खिलाफ अदालती मामले दायर करने की जरुरत पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि समाज में कुछ ऐसे लोग होने चाहिए जो सरकार के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर करें। इससे राजनेताओं में अनुशासन आता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि सरकार के मंत्री भी वह काम नहीं कर सकते जो अदालती आदेश से हो सकता है। लोकप्रिय राजनीति राजनेताओं और मंत्रियों के आड़े आती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नागपुर में प्रकाश देशपांडे स्मृति कुशल संगठक पुरस्कार समारोह में बोलते हुए गडकरी ने कहा कि अदालती आदेश से ऐसे काम हो सकते हैं जो सरकार भी नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में कुशल संगठक के रूप में सम्मानित किए गए लोगों ने सरकार के खिलाफ ऐसी कई कानूनी लड़ाइयाँ लड़ीं। गडकरी ने कहा कि कुशल संगठकों ने शिक्षा क्षेत्र में गलत सरकारी फैसलों के खिलाफ कई मामले दायर किए और कई मौकों पर सरकार को अपने फैसले वापस लेने के लिए मजबूर भी किया।

इससे पहले गडकरी ने रूस-यूक्रेन और इजराइल-ईरान युद्धों का हवाला देते हुए कहा कि महाशक्तियों की तानाशाही और निरंकुशता के कारण समन्वय, आपसी सद्भाव और प्रेम खत्म हो रहा है और दुनिया भर में संघर्ष का माहौल है। भारत को दुनिया को सत्य, अहिंसा और शांति का संदेश देने वाली बुद्ध की भूमि बताते हुए गडकरी ने अंतरराष्ट्रीय घटनाओं की समीक्षा और विचार-विमर्श के बाद भविष्य की नीति निर्धारित करने की जरुरत पर जोर दिया। ये संघर्ष ऐसी स्थिति पैदा कर रहे हैं जहां विश्व युद्ध 'कभी भी' छिड़ सकता है। उन्होंने कहा कि युद्ध से संबंधित तकनीकी प्रगति भी मानवता की रक्षा करना कठिन बना रही है।

आम से लदा ट्रक पलटने से 9 मजदूरों की मौत, 12 घायल...

अन्नमय्या, 14 जुलाई (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के अन्नमय्या जिले में एक दर्दनाक घटना सामने आई है. कुछ मजदूर एक ट्रक में बैठकर काम से लौट रहे थे. ट्रक आम से भरा हुआ था और उन्हीं आम की पेटियों के ऊपर मजदूर भी बैठे थे. जब गाड़ी एक चढ़ाई चढ़ रही थी, तभी संतुलन बिगड़ गया और ट्रक पलट गया. हादसे में 9 मजदूरों की जान चली गई और 12 लोग घायल हो गए. ट्रक पलटते ही ऊपर बैठे सभी मजदूर नीचे गिर गए. कुछ लोग सीधे ट्रक के नीचे दब गए और उनकी वहीं मौत हो गई. चार मजदूरों की हालत बहुत गंभीर बनी हुई है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए दूसरे

अस्पताल भेजा गया है. बाकी घायलों का इलाज नजदीकी अस्पताल में चल रहा है. हादसे के बाद एक शख्स, जिसकी पत्नी की इस हादसे में मौत हो गई, उसने बताया कि ट्रक बहुत तेज रफ्तार और लापरवाही से चल रहा था. उसकी शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है. बाकी बचे मजदूरों ने भी कहा है कि अगर ड्राइवर संभल कर चलाता, तो ऐसा घटना नहीं होता. राज्य के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने हादसे पर दुख जताया और कहा कि घायलों का अच्छे से इलाज कराया जाएगा और जिन लोगों की जान गई है, उनके परिवार को सरकार मदद देगी.

असीम कुमार घोष होंगे हरियाणा के नए राज्यपाल, बंडारू दत्तात्रेय की लेंगे जगह

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज दो राज्यों के राज्यपाल और एक केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल की नियुक्ति कर दी है. प्रोफेसर असीम कुमार घोष को हरियाणा का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है. प्रोफेसर असीम कुमार घोष को हरियाणा के नए राज्यपाल की जिम्मेदारी दी गई है. वे हरियाणा के मौजूदा राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की जगह लेंगे. प्रोफेसर असीम कुमार घोष हरियाणा के 19वें राज्यपाल होंगे. असीम घोष का जन्म 1944 में हावड़ा में हुआ था. उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा विवेकानंद

संस्थान, हावड़ा से प्राप्त की. उन्होंने विद्यासागर कॉलेज, कोलकाता से राजनीति विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और बाद में कलकत्ता विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की. उन्होंने 1966 से 2004 तक 38 वर्षों तक राजनीति विज्ञान पढ़ाया. वे 1991 में भाजपा में शामिल हुए. वे कई वर्षों तक राज्य बौद्धिक प्रकोष्ठ के सदस्य रहे. वे 1996 में राज्य सचिव बने. 1998 में उन्हें राज्य उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया. 1999 से 2002 तक उन्हें राज्य भाजपा अध्यक्ष नियुक्त किया गया. उन्होंने 2003-2005 तक त्रिपुरा पर्यवेक्षक के रूप में भी कार्य किया. असीम कुमार घोष साल 2023 में हावड़ा लोकसभा सीट से बीजेपी के टिकट पर उपचुनाव भी लड़ चुके हैं. हालांकि उन्हें इस उपचुनाव में जीत हासिल नहीं हुई थी.

हिसार में दर्दनाक सड़क हादसा

ड्रेन में पलटी अनियंत्रित कार, स्कूल चपरासी की मौत

हिसार, 14 जुलाई (एजेंसी)। हरियाणा के हिसार में दर्दनाक सड़क हादसा हो गया. हांसी में आजादपुर के पास एक आल्टो कार ड्रेन में पलट गई. कार में स्कूल के चपरासी की मौत हो गई. पोस्टमार्टम के लिए शव को हांसी के नागरिक अस्पताल से हिसार रेफर किया गया है. पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है. पुलिस को चपरासी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी.

थाना प्रभारी सुमेर सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान कर ली गई है. स्वजन को सूचित किया गया है. आगे की कार्रवाई

बयान के आधार पर की जाएगी. मतक सूरज भान का किसी से कोई विवाद नहीं है. पुलिस ने आशंका जताई है कि संतुलन बिगड़ने से कार अनियंत्रित हो गई और हादसा हो गया. जिसमें चपरासी की मौत हो गई.

बिहार की कानून व्यवस्था पर राहुल गांधी ने उठाए सवाल, कहा

नीतीश कुर्सी बचाने में व्यस्त, भाजपा के मंत्री कमीशनखोरी कर रहे

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बिहार की कानून-व्यवस्था पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि राज्य अब क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया बन चुका है और वहां डर का माहौल हर गली और हर घर में पसरा हुआ है। राहुल गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर बिहार में बढ़ते अपराधों पर चिंता जताई। उन्होंने मीडिया रिपोर्ट्स के स्क्रीनशॉट साझा करते हुए लिखा कि बिहार में पिछले 11 दिनों में 31 हत्याएं हुई हैं और सुपारी

किलिंग इंडस्ट्री फल-फूल रही है। उन्होंने सीधे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अपनी कुर्सी बचाने में लगे हैं और भाजपा के मंत्री कमीशन खाने में। बेरोजगार युवाओं को 'गुंडा राज' हत्यारा बना रहा है। यह चुनाव सिर्फ सरकार बदलने के लिए नहीं, बिहार को बचाने के लिए होगा। आम जनता खुद को असुरक्षित महसूस कर रही राहुल गांधी ने यह भी कहा कि बिहार के हालात इतने खराब हो गए हैं कि आम जनता खुद को असुरक्षित महसूस कर रही है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा और नीतीश कुमार की जोड़ी ने बिहार को अपराध का अड्डा बना दिया है। गौरतलब है कि राहुल गांधी इससे पहले भी पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या पर मुख्यमंत्री और भाजपा को घेर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि भाजपा और नीतीश कुमार ने मिलकर बिहार को क्राइम कैपिटल बना दिया है।

उद्धव ठाकरे गुट की सुप्रीम कोर्ट से मांग

धनुष-बाण' चुनाव चिह्न का इस्तेमाल फिर से करने दें

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त में रि-लिस्टेड कर दी है। अब मामले की सुनवाई अगस्त में होगी। उद्धव ने अपील की है कि उन्हें शिवसेना नाम, 'धनुष-बाण' चुनाव चिह्न और बाघ वाले भगवा झंडे का इस्तेमाल फिर से करने दें। यह मांग महाराष्ट्र में होने वाले नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत के चुनावों के लिए की गई है। उद्धव के वकील देवदत्त कामत ने 2 जुलाई को छुट्टियों के दौरान

काम कर रही सुप्रीम कोर्ट की बेंच के सामने इस मामले पर जल्दी सुनवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे गुट को इन चिह्नों का इस्तेमाल करने से रोका जाए, क्योंकि ये असली शिवसे ना की पहचान हैं और जनता इन्हें भावनात्मक रूप से जोड़कर देखती है।

निमिषा प्रिया की फांसी रोकने के लिए अंतिम प्रयास, भारत ने यमन से की औपचारिक अपील

नई दिल्ली/एर्नाकुलम, 14 जुलाई (एजेंसी)। भारत सरकार ने केरल की नर्स निमिषा प्रिया की फांसी रोकने के लिए अंतिम प्रयास किया है. सरकार ने यमन के अभियोजन महानिदेशक से निमिषा प्रिया की फांसी स्थगित करने की औपचारिक अपील की है, जिसे एक यमनी नागरिक की हत्या के आरोप में मौत की सजा सुनाई गई है. सेव निमिषा प्रिया एक्शन काउंसिल के वकीलएडवोकेट सुभाष चंद्रन ने पुष्टि की कि अटॉर्नी जनरल ने सुप्रीम कोर्ट को आश्वासन दिया है कि इस अनुरोध पर विचार किया जाएगा. यमन में हस्तक्षेप के लिए कूटनीतिक

जटिलताओं के बावजूद केंद्र सरकार निमिषा प्रिया की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए सभी संभावित रास्ते तलाश रही है. अटॉर्नी जनरल ने सोमवार को शीर्ष अदालत को बताया कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए सभी प्रयासों का खुलासा नहीं किया जा सकता है, फिर भी सरकार सकारात्मक परिणाम को लेकर आशावादी है.

एक्शन काउंसिल ने सुप्रीम कोर्ट को यमन के पीड़ित परिवार को ब्लड मनी देने की अपनी इच्छा से भी अवगत कराया है. एडवोकेट सुभाष चंद्रन ने बताया, हमें पूरी उम्मीद है.

निमिषा प्रिया की मां प्रेम कुमारी, जो इस समय यमन में हैं, ने व्यक्तिगत रूप से यमन के अभियोजन महानिदेशक के समक्ष एक याचिका दायर कर फांसी पर रोक लगाने का अनुरोध किया है. उनकी याचिका में मृतक के परिवार के साथ चल रही बातचीत और मुआवजा देने की बात कही गई है.

तलाक मामले में पत्नी की कॉल रिकॉर्डिंग सबूत

सुप्रीम कोर्ट बोला– ये निजता का उल्लंघन नहीं, रिश्ता जासूसी तक पहुंचा तो पहले ही टूट चुका

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि पत्नी की जानकारी के बिना रिकॉर्ड कॉल को वैवाहिक विवादों में सबूत के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। कोर्ट ने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि ऐसा करना पत्नी के निजता के अधिकार का उल्लंघन है और इसे सबूत के रूप में नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा

कि शादीशुदा जीवन में गोपनीयता का अधिकार पूरा नहीं हो सकता। इंडियन एविडेंस की धारा 122 के तहत पति-पत्नी के बीच बातचीत को कोर्ट में उजागर नहीं किया जा सकता, लेकिन तलाक जैसे मामलों में इसे अपवाद मानते हैं।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने कहा, हम नहीं मानते कि इस मामले में निजता के अधिकार का कोई उल्लंघन हुआ है। धारा 122 सिर्फ पति-पत्नी के बीच संवाद की गोपनीयता को मान्यता देती है, लेकिन यह निजता के संवैधानिक अधिकार (अनुच्छेद 21) से जुड़ा नहीं है।

बंगाल में फिर बवाल; भाजपा के 12 घंटे के बंद के दौरान प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प, सड़कें जाम

कोलकाता, 14 जुलाई (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में पूर्व मेदिनीपुर जिले के खेजुरी इलाके में 2 व्यक्तियों की अस्वाभाविक मौत का मामला गरमा गया है। इस घटना के विरोध में भाजपा की ओर से सोमवार को 12 घंटे का बंद बुलाया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ झड़प हुई और सड़कें जाम कर दी गईं। 23 वर्षीय सुजीत दास और 65 वर्षीय सुधीर चंद्र पाइक शुक्रवार रात खेजुरी के जनका इलाके में मुहर्रम के कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। उसी दौरान उनकी मौत हो गई।

राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेता सहित 7 लोगों ने उन्हें पीट-पीटकर मार डाला।

हालांकि, पुलिस ने कहा कि दोनों की मौत एक बिजली के खंभे से हैलोजन लाइट के दुर्घटनावश गिर जाने के कारण हुई। उनके साथ मारपीट या हथियारों से हमला किए जाने का कोई संकेत नहीं मिला। घटना के विरोध में बुलाए गए बंद के दौरान भाजपा समर्थकों ने कई घंटों तक राजमार्गों पर पेड़ों के लट्ठों से रास्ता जाम कर दिया। बाद में पुलिस ने अवरोधकों को हटाया और यातायात में बाधा डालने के आरोप में 8 लोगों को गिरफ्तार किया। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदर्शन के दौरान एक ट्रक समेत कुछ वाहनों में तोड़फोड़ की गई। सार्वजनिक परिवहन बसें ज्यादातर सड़कों से नदारद रहीं जिससे यात्रियों को भारी असुविधा हुई। ज्यादातर दुकानें बंद रहीं। पुलिस ने बताया कि अशांति के बावजूद एक स्थानीय कॉलेज में परीक्षा आयोजित की गई जिसे रोकने के प्रारंभिक प्रयास विफल रहे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। शुभेंदु अधिकारी ने विरोध मार्च निकाला और इस मामले में हत्या का मामला दर्ज किए जाने व दोषियों को गिरफ्तार किए जाने की मांग की। भाजपा के कुछ कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि पुलिस स्थानीय लोगों को परेशान कर रही है और कहा कि बंद जनता के आक्रोश को दर्शाता है।

दो स्कूलों में बम की धमकी, जांच जारी

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के दो स्कूलों को सोमवार सुबह बम की धमकी मिली है। एक स्कूल द्वारका का सीआरपीएफ स्कूल और चाणक्यपुरी का एक अन्य स्कूल है। पुलिस के मुताबिक, द्वारका नॉर्थ थाने में पीसीआर कॉल आई कि सीआरपीएफ स्कूल को बम की धमकी वाला मेल मिला है। तुरंत पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड और साइबर टीम मौके पर पहुंची। स्कूल की पूरी तलाशी ली गई, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। दिल्ली पुलिस ने बताया कि दोनों स्कूलों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और ईमेल की जांच साइबर टीम कर रही है।

पहलगाम हमला सुरक्षा में हुई चूक की जिम्मेदारी एलजी मनोज सिन्हा ने ली

कांग्रेस बोली– इस्तीफा कब देंगे ?

श्रीनगर, 14 जुलाई (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर स्पष्ट रूप से इसे सुरक्षा में चूक करार देते हुए पूरी जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली है। एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा कि हमला पर्यटकों पर नहीं, भारत की आत्मा पर था। इस पर कांग्रेस ने एलजी से सवाल करते हुए कहा है, कि अब इस्तीफा कब देंगे? एलजी सिन्हा ने पहलगाम हमले को लेकर

अपने एक इंटरव्यू में कहा कि मैं इस घटना की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं, क्योंकि यह वास्तव में सुरक्षा में चूक थी। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि जिस जगह हमला हुआ वह खुला मैदान था, जहां सुरक्षा बलों के लिए तैनाती की सुविधा नहीं थी। उन्होंने माना कि राज्य में पर्यटकों की बढ़ती संख्या से अर्थव्यवस्था सशक्त हो रही थी और आतंकी हमले का उद्देश्य इस समृद्धि पर चोट करना था। एलजी सिन्हा ने कहा कि इस हमले में एनआईए की जांच में कुछ स्थानीय लोगों की संलिप्तता सामने आई है, लेकिन यह मानना गलत होगा कि पूरा राज्य या सुरक्षा व्यवस्था खराब हो गई है।

डीएम के निर्देश पर एडीएम प्रशासन की अध्यक्षता में डूडा शासी निकाय की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

एडीएम प्रशासन ने डूडा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की, की समीक्षा

साईं मीडिया ब्यूरो

*गौतम बुद्ध नगर 14 जुलाई डीएम मनीष कुमार वर्मा के निदेशों के क्रम में अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में डूडा शासी निकाय एवं विभिन्न योजनाओं की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न योजनाओं की वर्तमान तक की प्रगति की समीक्षा तथा आगामी प्रस्तावित कार्यों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

डिप्टी कलेक्टर/प्रभारी परियोजना निदेशक डूडा वेद प्रकाश पांडे ने अपर जिलाधिकारी को विभिन्न योजनाओं की प्रगति एवं प्रस्तावित कार्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु प्रस्तावित कार्यों की रूपरेखा अपर जिलाधिकारी प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत की गई, जिस पर उन्होंने संस्तुति करते हुए निर्देशित किया कि सभी प्रस्तावित कार्यों को कार्य योजना बनाते हुए निर्धारित समय अवधि में गुणवत्ता के साथ पूरा करने का काम करें।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने डूडा एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाएं पारदर्शिता के साथ संचालित की जाए एवं हितग्राहियों को समय पर लाभ मिले, इसके लिए नियमित निगरानी एवं फीडबैक प्रणाली को सुदृढ़ किया जाए।

बैठक में डूडा विभाग, नगर पालिका एवं नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राजकीय आईटीआई सेक्टर 31 नोएडा में रोजगार मेले का आयोजन हुआ संपन्न

रोजगार मेले में 22 प्रतिष्ठित कंपनियों ने लिया साक्षात्कार, 465 अभ्यर्थी हुए उपस्थित, 109 अभ्यर्थियों का रोजगार के लिए हुआ चयन

साईं मीडिया ब्यूरो

*गौतम बुद्ध नगर, 14 जुलाई उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन गौतम बुद्ध नगर के तत्वाधान में राजकीय आईटीआई नोएडा सेक्टर 31 निठारी में हाई स्कूल, इंटरमीडिएट एवं आईटीआई पास युवाओं को रोजगार मुहैया कराने के उद्देश्य से रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपालकृष्ण अग्रवाल, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा एवं मुख्य विकास अधिकारी विद्यनाथ शुक्ल द्वारा किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा एवं मुख्य विकास अधिकारी विद्यनाथ शुक्ल ने रोजगार हेतु चयन होने वाले अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित कर उनको शुभकामनाएं प्रेषित की। साथ ही डीएम ने उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अधिकारियों से कहा कि

समय-समय पर इस तरह के रोजगार मेलों का आयोजन कराया जाए, ताकि अधिक से अधिक बेरोजगार युवकों को रोजगार प्राप्त हो सके।

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन गौतम बुद्ध नगर के जिला समन्वक पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि रोजगार मेले में समस्त राजकीय और निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से किसी भी ट्रेड में आईटीआई पास तथा दसवीं एवं 12वीं पास अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में 22 प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा उपस्थित होकर युवाओं का रोजगार हेतु साक्षात्कार लिया गया। रोजगार मेले में 465 युवाओं ने उपस्थित होकर रोजगार मेले का लाभ उठाया, जिसमें से 109 युवाओं का रोजगार हेतु चयन हुआ। रोजगार प्राप्त कर खिल उठे युवक-युवतियों के चेहरे।

मलकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम ग्रेटर नोएडा में जनपद स्तरीय प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में वूशू, जूडो व नेटबॉल खेल रहे शामिल

साईं मीडिया ब्यूरो

गौतम बुद्ध नगर 14 जुलाई खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश लखनऊ एवं डीएम मनीष कुमार वर्मा के निदेशों के क्रम में मलकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में जनपद स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें नेटबाल, जुडो, वूशू खेल शामिल रहे।

जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित जिला अध्यक्ष ग्रेटर नोएडा अभिषेक शर्मा, जिला महामंत्री दीपक भारद्वाज, प्रतीक तिवारी, वीरेंद्र भाटी, सुधीर कौशिक, ललित शर्मा व सभी

अतिथियों ने पदक विजेता खिलाड़ियों को ट्रैक सूट और किट देकर सम्मानित किया।

वरिष्ठ कोच गौतम बुध नगर परवेज अली ने बताया कि नेटबॉल प्रतियोगिता में 10 टीमों ने प्रतिभाग किया, जिसमें मलकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ और द्वितीय स्थान विशाल इंटरनेशनल स्कूल को मिला। जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा द्वारा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया गया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में परवेज परवेज अली, ज्योति नागर जी, शिलांकुर, देवेंद्र कौशिक कार्यालय सहायक जिला खेल कार्यालय गौतम बुद्ध नगर का पूर्ण सहयोग रहा।

खरीफ मौसम में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत कृषक आगामी 31 जुलाई तक करा सकते हैं फसल का बीमा

साईं मीडिया ब्यूरो

*गौतम बुद्ध नगर 14 जुलाई उप कृषि निदेशक गौतम बुद्ध नगर राजीव कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत खरीफ मौसम 2025 में किसान भाईयो के लिए बीमा कराने हेतु अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 है। अतः सभी किसान भाई प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत अपनी फसल का बीमा अवश्य कराए और फसल में होने वाली क्षति के जोखिम से बचे। जनपद में योजना को संचालित करने हेतु एग्रीकल्चर इन्श्योरेन्स कम्पनी ऑफ इण्डिया लि० को नामित किया गया है। खरीफ की फसल में धान एवं बाजरा तथा रबी की फसल में गेहूँ की फसल को इस योजना के अन्तर्गत अधिसूचित किया गया है। जनपद गौतमबुद्धनगर में खरीफ में धान एवं बाजरा एवं रबी मे गेहूँ की अधिसूचित फसल है।

उप कृषि निदेशक ने बताया कि धान की फसल कि बीमित बनराशी 84100रु है एंव कृषक अंश के रूप में 2 प्रतिशत (धनराशि रू० 1682 प्रति हैक्टेयर) प्रीमियम बैंक द्वारा लिया जायेगा। बाजरा कि बीमित धनराशि 33,600रु है एव कृषक अंश के रूप में 2 प्रतिशत (धनराशि रू0 672 प्रति हैक्टेयर) प्रीमियम बैंक द्वारा लिया जावेगा तथा गेहूं की फसल कि बीमित धनराशि 86,500 रु है एंव कृषक अंश के रूप में 1.5 प्रतिशत (धनराशि रू 1297.50 प्रति हैक्टेयर) प्रीमियम बैंक द्वारा लिया जायेगा।

यह योजना जनपद गौतमबुद्धनगर के सभी ऋणी व गैर ऋणी कृषकों के लिये लागू होगी। ऋणी कृषकों के लिये यह योजना स्वैच्छिक है एंव ऋणी कृषक/अऋणी कृषक 31 जुलाई 2025 तक अपनी धान व बाजरे की फसल का बीमा बैंक एंव जनसेवा केन्द्र (उरउ) के माध्यम से करा सकते है। फसल कटाई के उपरान्त आगामी 14 दिनो तक खेत में सूखने हेतु रखी गयी फसल को ओलावृष्टि, चक्रवात / चक्रवाती वर्षा/बेमौसम वर्षा से क्षति की स्थिति में कृषक को 72 घण्टे के अन्दर भारत सरकार के फसल बीमा टोल फ्री नम्बर 14447 अथवा क्राप इन्श्योरेन्स एप के माध्यम से आपदा घटित होने की सूचना देना अनिवार्य है। अन्य किसी भी सहायता के लिए कृषक भाई जिला प्रबंधक फसल बीमा गौतमबुद्धनगर से 7906769211 पर संपर्क कर सकते है।

कंपोजिट विद्यालय पर्थला खंजरपुर में "स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम" का हुआ भव्य आयोजन

डीएम ने स्वच्छता पखवाड़ा में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रम का किया शुभारंभ

साईं मीडिया ब्यूरो

*गौतम बुद्ध नगर 14 जुलाई छात्रों एवं अभिभावकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से बिसनौली सर्वोदय ग्रामोद्योग सेवा संस्थान नई दिल्ली द्वारा भारत पैट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के सहयोग से कंपोजिट विद्यालय पर्थला खंजरपुर में स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य अतिथि डीएम मनीष कुमार वर्मा एवं पुलिस उपायुक्त नोएडा यमुना प्रसाद द्वारा विधिवत रूप से शुभारंभ किया गया। स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत पेट्रोलियम के हेड रिटेल नॉर्थ अचमन रेहान, हेड नॉर्थ अचार बीना मंसुख, जीएम नॉर्थ एडमिनिस्ट्रेशन अखिल गुप्ता, स्टेट हेड रिटेल उत्तर प्रदेश अनमोल भोसले, सचिव एडमिनिस्ट्रेशन नॉर्थ संजय सचदेव तथा असिस्टेंट मैनेजर एडमिनिस्ट्रेशन विमल पटेल उपस्थित रहे।

स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के आयोजन अवसर पर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा कक्षा 3 से 7 तक के बच्चों को बैग, स्टेशनरी एवं टी-शर्ट प्रदान किए गए तथा अभिभावकों को पूरे 12 महीने की हाउसहोल्ड किट (सफाई सामग्री) वितरित की गई, जिसमें ब्रश, साबुन, क्लीनर, डस्टर आदि सम्मिलित हैं।

इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने अभिभावकों से संवाद करते हुए विद्यालय में उनके बच्चों की स्वच्छता, पोषण एवं स्वास्थ्य की नियमित देखभाल पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत का सपना तभी साकार होगा जब समाज, शिक्षक और अभिभावक मिलकर इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएंगें। उन्होंने बच्चों से संवाद करते हुए बच्चों को नियमित स्वास्थ्य जांच और स्वच्छता के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी और कहा कि स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का अहम हिस्सा बनाएं, तभी स्वच्छ भारत एवं स्वस्थ भारत का सपना साकार होगा।

ग्रामोद्योग संस्थान की सीईओ अपने बच्चों को स्वच्छता के विषय में सरल एवं व्यावहारिक जानकारी दी। परियोजना निदेशक जितेंद्र ने बच्चों को प्रेरक गीत सुनाए। अर्चना पांडे ने हम होंगे कामयाब गीत की प्रस्तुति से सभी को स्वच्छता हेतु प्रेरित किया। भारत पेट्रोलियम के वरिष्ठ अधिकारी अचमन रेहान ने बच्चों को स्वच्छता की प्रेरणादायक कहानी सुना कर अभियान से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मंजू लता सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ तथा कार्यक्रम का सफल संचालन अर्चना पांडे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सम्मानित अतिथियों द्वारा विद्यालय के समस्त स्टाफ की सराहना की गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अभिभावकों और समुदाय में स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं सहयोग की भावनाओं को सुदृढ़ किया।

हिस्ट्रीशीटर आबिद समेत पांच बदमाशों पर गैंगस्टर की रिपोर्ट, बवाल कराने की फिराक में था गिरोह

बरेली , एजेंसी। बरेली में डीएम के आदेश पर सीबीगंज थाना पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर आबिद अली व उसके परिवार के तीन लोगों समेत चार पर गैंगस्टर एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की है। आबिद पहले से जेल में बंद है, पुलिस ने उसके भाई व एक गुर्गे का भी चालान कर दिया।

सीबीगंज के गांव अटरिया निवासी आबिद अली पर लूट, डकैती, हत्या, रंगदारी, दबंगई आदि संगीन धाराओं के करीब 34 मुकदमे विभिन्न थानों में दर्ज हैं। हत्या की कोशिश के एक मामले में आबिद अली पहले से जिला जेल में बंद है।

सीबीगंज इंस्पेक्टर अभिषेक सिंह की रिपोर्ट के मुताबिक आबिद इतना शातिर है कि वह जेल में रहने के बावजूद वहां से अपना गिरोह संचालित कर रहा था। आबिद के गिरोह में उसका बेटा सोहिल अली, भाई वाजिद अली, नासिर अली एवं गुर्गा अमीर शाह शामिल हैं।

कांवड़ यात्रा में बवाल कराने की आशंका पर कार्रवाई : इंस्पेक्टर ने बताया कि जांच में उन्हें पता चला कि आबिद के गिरोह के लोग सावन में कांवड़ यात्रा के दौरान बवाल कराने की फिराक में थे। यह लोग इलाके में दहशत फैलाकर रंगदारी वसूलते हैं। सीबीगंज थाना पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध गैंग चार्ट बनाकर डीएम को भेजा था।

डीएम से अनुमति मिलने के बाद सभी के विरुद्ध गैंगस्टर की कार्रवाई की गई है। पुलिस ने शुक्रवार को आबिद के भाई वाजिद अली व गुर्गे अमीर शाह को गिरफ्तार कर चालान कर दिया। अब आबिद के बेटे सोहिल अली और भाई नासिर अली की तलाश की जा रही है।

राजकीय आईटीआई, निठारी, गौतम बुद्ध नगर में 14 जुलाई को लगेगा वृहद रोजगार मेला

साईं मीडिया ब्यूरो

*गौतम बुद्ध नगर 13 जुलाई जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निदेशों के अनुपालन में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अंतर्गत एक वृहद जनपद स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला 14 जुलाई 2025 (सोमवार) को प्रातः 10:00 बजे से राजकीय आईटीआई, निठारी, गौतम बुद्ध नगर परिसर में आयोजित किया जाएगा।

जिला समन्वयक, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन यज्ञ देव सिंह ने बताया कि रोजगार मेले का उद्देश्य जिले के प्रशिक्षित एवं शिक्षित युवाओं को देश की प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार का अवसर उपलब्ध कराना है। मेले में 10 से अधिक नामचीन नियोक्ता कंपनियाँ भाग लेंगी, जो विभिन्न क्षेत्रों में 500 से अधिक पदों के लिए भर्ती करेंगी।

500 से अधिक युवाओं के पास रोजगार प्राप्त करने का सुनहरा अवसर

रोजगार मेले में 10 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियां नौकरी देने हेतु युवाओं के लेंगी इंटरव्यू

उन्होंने पात्रता के संबंध में बताया कि रोजगार मेले में 10वीं, 12वीं, स्नातक, आईटीआई उत्तीर्ण अथवा किसी भी मान्यता प्राप्त कौशल विकास संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त युवक-युवतियाँ प्रतिभाग कर सकते हैं। यह मेला रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है।

उन्होंने सभी योग्य अभ्यर्थियों से यह भी अपील की है कि वे अपने समस्त शैक्षणिक प्रमाणपत्रों की छायाप्रति, पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड आदि के साथ नियत तिथि पर राजकीय आईटीआई निठारी में उपस्थित होकर इस अवसर का भरपूर लाभ उठाएं।

हापुड़ में लेखपाल की मौत पर लेखपाल संघ का रोष, मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार

साईं मीडिया ब्यूरो सोनभद्र रामआश्रय बिंद

ओबरा सोनभद्र । उत्तर प्रदेश के जनपद हापुड़ में जिलाधिकारी के कथित दमनात्मक व्यवहार और उत्पीडनात्मक कार्रवाई के कारण एक लेखपाल की हृदयविदारक मृत्यु का मामला गरमा गया है। इस घटना से प्रदेशभर के लेखपालों में गहरा रोष व्याप्त है। इसी संबंध में, लेखपालों ने उपजिलाधिकारी महोदय, ओबरा के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार को एक ज्ञापन प्रेषित किया है, जिसमें मृतक लेखपाल के लिए न्याय और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई की मांग की गई है। ज्ञापन में बताया गया है कि जनपद हापुड़ में जिलाधिकारी महोदय के अपमानजनक और दमनात्मक व्यवहार तथा बिना जांच के ही झूठी शिकायत पर की गई उत्पीडनात्मक कार्रवाई के तनाव में लेखपाल श्री सुभाष मीणा की दुखद मृत्यु हो गई है। इस हृदयविदारक घटना से प्रदेश के समस्त लेखपाल समुदाय आहत और व्यथित है। लेखपाल संघ ने ज्ञापन में इस बात पर चिंता व्यक्त की है कि आजकल कुछ अधिकारियों में सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया और आम जनता के बीच सस्ती लोकप्रियता पाने की इच्छा के कारण बैठक, तहसील दिवस, थाना समाधान दिवस और ग्राम चौपाल के दौरान अधीनस्थों को सार्वजनिक रूप से अपमानित करने और दंडित करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इस प्रवृत्ति के कारण कर्मचारी तनाव और डिप्रेशन के बीच नौकरी करने को मजबूर हैं। संघ का कहना है कि नौकरी में बढ़ते कार्य के दबाव के साथ ही अधिकारियों के इस प्रकार के व्यवहार के कारण कर्मचारियों का स्वास्थ्य और पारिवारिक जीवन बिगड़ रहा है, वहीं शासकीय कार्य संपादन में भी श्रम के सापेक्ष सही निराकरण नहीं हो पाता है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि माननीय मुख्य सचिव महोदय के निदेर्शानुसार कर्मचारी समस्याओं के संबंध में संगठन के पदाधिकारियों के साथ प्रति माह बैठक किए जाने का प्रावधान है, लेकिन वास्तव में इसका अनुपालन नहीं किया जा रहा है। इससे संवादहीनता और संवेदनहीनता की स्थिति उत्पन्न हुई है, जिसके कारण अधिकारी और कर्मचारियों के बीच आपसी समन्वय स्थापित नहीं हो पा रहा है, और ऐसी दुखद घटनाएँ घटित हो रही हैं।ज्ञापन में बताया गया है कि हापुड़ की घटना का माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा त्वरित संज्ञान लिया गया है और उच्च स्तरीय जांच के निर्देश दिए गए हैं, जिससे कर्मचारियों में न्याय की आशा बढ़ी है। लेखपाल संघ ने मुख्यमंत्री से निम्नलिखित बिंदुओं पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए कार्यवाही करने का निवेदन किया है। मृतक आश्रितों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाए।मृतक आश्रित को योग्यता अनुसार सरकारी सेवा में तत्काल नियुक्ति की जाए। जांच रिपोर्ट शीघ्र प्राप्त कर दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाए। समस्त अधिकारियों को अधीनस्थों के साथ मानवीय एवं सम्मानजनक व्यवहार करने के निर्देश निर्गत किए जाएं।

माननीय मुख्य सचिव महोदय द्वारा निर्गत शासनादेशों, जिनमें समस्त प्रांतीय, मंडलीय, जनपदीय, तहसील स्तरीय अधिकारियों को प्रति माह कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर कर्मचारी समस्याओं को सुनने एवं समाधान करने के निर्देश हैं, का अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश निर्गत करने की कृपा करें।

कांग्रेसी नेता पर वाराणसी में मुकदमों को लेकर राज्यपाल से गुहार

साई मीडिया ब्यूरो सोनभद्र रामआश्रय बिंद

ओबरा सोनभद्रझओबरा उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने वाराणसी में व्याप्त अव्यवस्थाओं और आम जनता की मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर महामहिम राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में सावन के पवित्र महीने में भी श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कोई इंतजाम न होने का आरोप लगाया गया है। कांग्रेस ने प्रदेश की डबल इंजन सरकार पर फर्जी विकास का ढिंढोरा पीटने और सिर्फ लुभावने नारों तक सीमित रहने का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने अपने ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया है कि जब जनप्रतिनिधि आम जनता की तकलीफों की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास करते हैं, तो उनके खिलाफ दमनात्मक कार्यवाही की जाती है और फर्जी मुकदमे दर्ज कर लोकतंत्र को कुचलने का काम किया जा रहा है। इसका ताजा उदाहरण दिनांक 10 जुलाई 2025 को देखने को मिला, जब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मा. अजय राय जी (पूर्व मंत्री) के नेतृत्व में वाराणसी के जिला एवं शहर अध्यक्ष सहित 10 कांग्रेसजनों के खिलाफ फर्जी मुकदमा दर्ज कराया गया। इसे कांग्रेस ने बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण बताया है और प्रदेश सरकार की इस अन्यायपूर्ण और अलोकतांत्रिक कार्यवाही का प्रतिकार किया है।ज्ञापन में कहा गया है कि जनप्रतिनिधियों का एक प्रमुख कार्य जनता की परेशानियों की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित कराकर उनका निराकरण करवाना है। मा. प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के साथ वाराणसी के जिला एवं शहर अध्यक्ष सहित अन्य कांग्रेसजनों ने वाराणसी में जलभराव, ध्वस्त सीवर, पीड़ित दुकानदार, रोपवे, जाम से परेशान जनता और कांवर यात्रियों की समस्याओं के निराकरण हेतु सरकार का ध्यान आकर्षित कराने के लिए पदयात्रा निकाली थी। इसी पदयात्रा के दौरान, प्रदेश सरकार के इशारे पर वाराणसी के सिगरा थाने में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मा. अजय राय जी (पूर्व मंत्री) सहित 10 कांग्रेसजनों पर मुकदमा दर्ज कराया गया है। कांग्रेसजनों ने महामहिम राज्यपाल से अपील की है कि वे प्रदेश सरकार की संवैधानिक मुखिया होने के नाते अपने स्तर से अविलंब हस्तक्षेप करें। उन्होंने दिनांक 10 जुलाई 2025 को वाराणसी के सिगरा थाने में दर्ज फर्जी एफआईआर को रद्द कराने हेतु प्रदेश सरकार को निर्देशित करने का अनुरोध किया है। इसके साथ ही, उन्होंने श्रावण माह में श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु समुचित व्यवस्था कराने का भी निर्देश जारी करने की कृपा करने की मांग की है।यह घटनाक्रम वाराणसी में राजनीतिक गहमागहमी और जनहित के मुद्दों को लेकर सरकार तथा विपक्ष के बीच बढ़ते टकराव को दशार्ता है।

भूमि विवाद पर तहसीलदार के एकतरफा आदेश से आहत किसान ने की सुसाइड की कोशिश

बाराबंकी, एजेंसी। बाराबंकी में भूमि विवाद पर तहसीलदार के एकतरफा आदेश से आहत किसान ने सुसाइड करने की कोशिश की। मामले में एसडीएम ने जांच के आदेश दिए हैं। यूपी के बाराबंकी में भूमि विवाद के आदेश से आहत किसान ने जहरीला पदार्थ पीकर आत्महत्या करने की कोशिश की। बेटे ने पूर्व तहसीलदार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। एसडीएम ने मामले में जांच के आदेश दिए हैं। जांच के बाद दोषी पर कार्रवाई करने की बात कही है। मामला सिरौली गौसपुर तहसील क्षेत्र के परसा गांव का है। गांव निवासी किसान लल्लाराम का मामला गोंडा जिले के गुलवरिया गांव की महिला के साथ तहसीलदार न्यायालय में चल रहा था। आरोप है कि पूर्व तहसीलदार महिमा मिश्रा ने स्थानांतरण से ठीक पहले विपक्ष के पक्ष में जल्दबाजी में अपना आदेश पारित कर दिया। इससे सदमे में आकर लल्लाराम ने जहरीला पदार्थ पीकर सुसाइड करने की कोशिश की।

जानकारी होते ही घरवालों ने उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। किसान के बेटे शमसेर कुमार वर्मा ने बताया कि बाहर की महिला ने फर्जी दस्तावेज के सहारे खुद को परिवार की सदस्य बताकर मुकदमा दर्ज कराया है। जबकि, वह हमारे परिवार से कोई संबंध नहीं रखती है।

छांगुर पर नया खुलासा: 40 देशों में पैठ... 20 हजार शागिर्द बताता था बाबा

कलमा पढ़ाने के साथ करता था ये काम

बलरामपुर, एजेंसी। बलरामपुर के छांगुर की करतूत अब एक-एक करके सामने आ रही है। प्रभाव जमाने के लिए वह 40 देशों में पैठ होने की बात करता था। यही नहीं, 20 हजार से अधिक शागिर्द होने की धौंस भी जमाता था। ताकत दिखाने के लिए फर्जी मुकदमे दर्ज कराने और धमकी दिलाने में देर नहीं करता था। छांगुर ने युवतियों की भी एक टीम बना रखी थी, जो किसी पर भी दुष्कर्म के आरोप में केस दर्ज करा देती थीं।

छांगुर धर्म परिवर्तन न करने वालों को सबक सिखाने में प्रशासनिक मशीनरी का प्रयोग भी बेखौफ होकर करता था। धर्म परिवर्तन के लिए राजी होने पर मोटी रकम देता था। करीब 15 वर्षों से चल रहे इस खेल का खुलासा तब हुआ, जब उसके करीबियों को यह करतूत नागवार गुजरी। इसके बाद विरोध का एक दौर शुरू हुआ। दो वर्ष तक छांगुर के साथ रहने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि धर्म परिवर्तन कराने की जानकारी हुई तो विरोध किया, जिसकी सजा झूठे मामले में जेल जाकर चुकानी पड़ी। जान के लाले अलग से पड़ गए। अभी तक वह छुपकर जिंदगी जी रहे हैं।

प्रतिबंधित पशु का मांस खिलाता था छांगुर: उन्होंने बताया कि छांगुर धर्म परिवर्तन कराने के लिए पहले कलमा पढ़ाता था और फिर प्रतिबंधित पशु का मांस खिलाता था। इससे वह संतुष्ट होना चाहता था कि हिंदू धर्म से मोहभंग हुआ या नहीं। इस पूरी प्रक्रिया की वह फोटो खींचता था और वीडियो बनाता था। उसे इस्लामिक देशों की उन संस्थाओं को भेजता था, जो धर्मांतरण के लिए फंड देती थीं। जांच में जुटी एटीएस को ऐसे देशों से फंड मिलने के सुराग भी मिले हैं।

सावन के प्रथम सोमवार भोलेनाथ उमड़ा सेलाव

आरती यादव

आगरा क्षेत्र मे सावन के पहले सोमवार पर राजेश्वर महादेव मंदिर में आस्था का सैलाब

भोले के जयकारों से गूंजा आगरा, श्रद्धालुओं की सुबह से लगी लंबी कतारें

राजेश्वर महादेव में उमड़ा भक्तों का जनसैलाब, दर्शन को तरसे श्रद्धालु सावन की पहली सोमवारी पर बाबा के दरबार में उमड़ी भीड़, सुरक्षा चाक-चौबंद आगरा में शिवभक्ति का उत्साह चरम पर, मंदिर में दिखी आस्था की भीड़ सुबह से कतार में खड़े रहे श्रद्धालु, भोलेनाथ के दर्शन को उमड़ी भारी भीड़ राजेश्वर महादेव मंदिर में भक्तों का जनसैलाब, कांवड़ियों के लिए की गई विशेष व्यवस्था श्रद्धा का महासागर, सावन के पहले सोमवार पर मंदिर परिसर खचाखच भरा कांवड़ियों से पटा आगरा, राजेश्वर मंदिर में आस्था का अद्भुत नजारा भोलेनाथ के जयकारों से गूंजा मंदिर, भक्तों की सेवा में जुटा प्रशासन

ट्रेफिक पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी किया 60किलो करीब गांजा बरामद

आरती यादव

आगरा क्षेत्र मे डायवर्जन में रोकी गई कार से निकला 60 किलो गांजा, चालक ने भागने की कोशिश की

ट्रैफिक चेकिंग में लगी पुलिस ने पकड़ी तस्करी, कार से बरामद हुआ भारी मात्रा में गांजा आगरा में अवैध गांजा तस्करी का खुलासा, ट्रैफिक पुलिस की सतर्कता से बड़ा जखीरा पकड़ा गया छत्ता क्षेत्र में पकड़ी गई नशे की खेप, जीवनी मंडी वाटर वर्क्स के पास मिला संदिग्ध वाहन

पुलिस को देखकर भागा कार चालक पीछा कर दबोचा अब पूछताछ में जुटी पुलिस अवैध गांजे की बड़ी खेप पकड़ाने से मचा हड़कंप, 60 किलो नशीला पदार्थ किया गया जब्त डायवर्जन चेकिंग बनी गिरफ्तारी की वजह, थाना छत्ता पुलिस कर रही कार्रवाई कार की तलाशी में निकली नशे की खेप, पुलिस को मिली बड़ी सफलता ट्रैफिक पुलिस की मुस्तैदी से फंसा तस्कर, कार में भरकर ले जाया जा रहा था गांजा चौराहे की जांच में फंसा ड्रग तस्कर, शहर में नशे के नेटवर्क का हो सकता है बड़ा खुलासा

डिप्टी सीएम केशव बोले- नकल अध्यादेश खत्म करने वाली सपा को शिक्षा के विषय में बात करने का अधिकार नहीं

प्रयागराज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भाजपा के नकल अध्यादेश को समाप्त करने वाली समाजवादी पार्टी को शिक्षा के विषय में बोलने का अधिकार नहीं है। डिप्टी सीएम रविवार को प्रयागराज पहुंचे थे। वह सर्किट हाउस में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भाजपा शासन काल में राजनाथ सिंह शिक्षा मंत्री थे। उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता में काफी सुधार किया। नकल अध्यादेश लागू करके शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए ठोस कदम उठाया, लेकिन सपा की सरकार बनते ही इस अध्यादेश को समाप्त करके शिक्षा व्यवस्था को ध्वस्त कर दिया गया। सपा अपराध और माफियाओं के प्रति गंभीर है। शिक्षा के प्रति यह लोग गंभीर नहीं है। स्कूलों के मर्जर का मामला हाईकोर्ट में है।

ईडी और सीबीआई के दुरुपयोग के सवाल पर केशव ने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद चार राज्यों में विधानसभा चुनाव हो चुके हैं, जिसमें तीन राज्यों में कमल खिल चुका है। बिहार में भी भाजपा सरकार बनने जा रही है। इसके आगे भी जो विधानसभा चुनाव होंगे उसमें भी भाजपा जीत हासिल करेगी। साथ ही 2027 में यूपी में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने जा रही है। भाजपा पंचायत चुनाव की तैयारी में जुट गई है।

महिला विवाद: हरियाणा से पहुंचे चार युवकों ने एक परिवार पर किया हमला

फिर ग्रामीणों ने आरोपियों को बांधकर पीटा

रामपुर, एजेंसी। रामपुर के जयतोली गांव में हरियाणा से आए चार युवकों ने दो परिवारों पर हमला कर दिया। अचानक मची चीखपुकार के बाद मौके पर ग्रामीण एकत्र हो गए। उन्होंने चारों युवकों को पकड़कर जमकर पीटा। मामला एक महिला को लेकर सामने आया है। पुलिस इसकी जांच कर रही है।

रामपुर के जयतोली गांव में रविवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब हरियाणा से आए चार युवकों ने गांव के दो परिवारों का दरवाजा खुलते ही मारना पीटना शुरू कर दिया। अचानक मारपीट के बाद दोनों परिवारों में चीखपुकार मच गई। इसके बाद ग्रामीणों ने चारों आरोपियों की घेराबंदी करके उन्हें पकड़कर बांध दिया। इसके बाद उनकी जमकर पिटाई की गई। जमीन पर बंधे पड़े चारों आरोपियों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हरियाणा की इशिका नाम की महिला ने बताया कि वह जयतोली गांव के रहने वाले रतिपाल के साथ साल भर पहले आ गई थी। उसका पहले पति से रतिपाल का विवाद चल रहा है। इशिका के अनुसार रविवार तड़के हरियाणा के यमुनानगर के थाना सिटी क्षेत्र के जगादरी स्थित गंगानगर कॉलोनी के रहने वाले इशिका का पहला पति राहुल, उसका रोहित, राजू और शिवम् जयतोली गांव पहुंचे। आरोप है कि इन सभी ने भूलवश रतिपाल के घर की जगह इनके पड़ोसी रामगोपाल का दरवाजा खटखटाया।

दरवाजा खुलते ही चारों युवक हमलावर हो गए और मारपीट शुरू कर दी। इसमें रामगोपाल के बेटा अर्जुन, उनकी पत्नी प्रीति और बेटी सोनम घायल हो गई। शोर-शराबा सुनकर रतिपाल और इशिका भी मौके पर आ गए। आरोप है कि चारों ने रतिपाल और इशिका को देखकर लोहे की रॉड और पाइप से मारना पीटना शुरू कर दिया। घटना के दौरान चीखपुकार मच गई। इसके बाद गांव के लोग इकट्ठे हो गए। मौके पर मारपीट को देखकर ग्रामीण आक्रोशित हो गए। ग्रामीणों ने चारों युवकों की घेराबंदी करके उनके हाथ बांध दिए। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने चारों युवकों को ग्रामीणों से छुड़ाया। पकड़े गए हरियाणा निवासी राहुल ने बताया कि वर्ष 2018 में उसकी शादी इशिका से हुई थी। उसको रतिपाल नाम का युवक अपने गांव ले आया था। महिला इशिका के साथ इनका बेटा हर्ष (3) साथ ले आई थी। राहुल ने बताया कि वह अपने बेटे हर्ष को लेने के लिए अपने तीन दोस्तों के संग जयतोली गांव पूछते-पूछते गया था।

इसके बाद विवाद शुरू हो गया। मारपीट में घायलों को सीएचसी इलाज के लिए भेजा गया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। कोतवाली प्रभारी पंकज पंत ने बताया कि महिला को लेकर विवाद हुआ है। घायलों का उपचार कराया गया है। पूरे मामले की जांच कर तहरीर लेकर कार्रवाई की जाएगी।

दो दोस्तों कि लाशें मिली

आगरा में डबल मर्डर से सनसनी, एक साथ निकले दो दोस्तों की मिली लाशें अछनेरा में खौफनाक दोहरी हत्या, बाइक से निकले दोस्त नहीं लौटे घर किरावली के अरदाया गांव में मातम, दो दोस्तों की सिर कुचलकर हत्या धनौली माइनर के पास मिले खून से लथपथ शव, इलाके में मचा हड़कंप रविवार रात गए थे साथ, सोमवार सुबह मिले लहूलुहान केपी और नेत्रपाल की दर्दनाक मौत डबल मर्डर केस से पुलिस अलर्ट, हत्या के पीछे की गुत्थी सुलझाने में जुटी टीम गांव में गूंजा रोष, हत्या की खबर सुन पहुंची भीड़, पुलिस पर लगाये आरो

मोबाइल बंद, रात भर खोजते रहे परिजन झ सुबह मिली मौत की खबर धनौली माइनर बना वारदात का गवाह, कुछ ही दूरी पर पड़े थे दोनों शव हत्या के विरोध में ग्रामीणों का अछनेरा थाने पर हंगामा, हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग दोस्तों की हत्या ने उठाए कई सवाल, पुलिस की जांच में सामने आएंगे राज?दोस्ती का अंत मौत से केपी और नेत्रपाल की एक साथ गई जान

ऑनलाइन हाजिरी पर सख्ती, माध्यमिक शिक्षा परिषद ने हर हाल में अनुपालन के दिए निर्देश; शिक्षक संगठन नाराज

लखनऊ, एजेंसी। शिक्षकों की ऑनलाइन हाजिरी पर सख्ती करते हुए माध्यमिक शिक्षा परिषद ने हर हाल में अनुपालन करने के निर्देश दिए हैं। इससे शिक्षक संगठनों में नाराजगी है। उत्तर प्रदेश के मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों व छात्रों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने को लेकर सख्ती बढ़ रही है। वहीं इसे लेकर शिक्षक संगठनों ने अपनी नाराजगी दर्ज कराई है। साथ ही इस निर्णय को अव्यवहारिक बताते हुए तत्काल वापस लेने की मांग की है। माध्यमिक शिक्षा परिषद सचिव भगवती सिंह की ओर से हाल में सभी डीआईओएस को जारी निर्देश में कहा गया है कि कई विद्यालयों द्वारा नियमित रूप से उपस्थिति दर्ज नहीं कराई जा रही है। ऐसे में सभी

डीआईओएस सभी माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य नियमित रूप से पहले घंटे में विद्यार्थियों व शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराना सुनिश्चित करें। इसमें लोकेशन न मिलने की आ रही दिक्कत का समाधान कराया जाए। साथ ही नए नियुक्त व संबद्ध शिक्षकों का विवरण भी अपडेट कराएं।

अव्यवहारिक आदेश को जल्द वापस लिए जाने की मांग: दूसरी तरफ सख्ती बढ़ने पर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (पांडेय गुट) ने विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने इसे परिषद द्वारा जारी तुगलकी फरमान बताया है। संघ के प्रादेशिक अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार सिंह पटेल व संगठन प्रवक्ता ओम प्रकाश त्रिपाठी ने महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा का व्यक्तिगत ध्यान इस तरफ आकर्षित किया है। उनसे तत्काल हस्तक्षेप कर इस अव्यवहारिक आदेश को जल्द वापस लिए जाने की मांग की है।

2025 की सबसे भारी कांवड़, 306 दिन की यात्रा

कंधों पर 351 लीटर गंगाजल लेकर चल रहा कांवड़िया

सहारनपुर, एजेंसी। सहारनपुर के नयागांव निवासी मनोज 306 दिन में हरिद्वार से 351 लीटर गंगाजल लेकर पहुंचे हैं। यह लंबी यात्रा उन्होंने बिना किसी अभ्यास के शुरू की थी और अब गांव पहुंचने में 6-7 दिन शेष हैं। सहारनपुर जनपद के नकुड़ में इस वर्ष कांवड़ यात्रा में अभी तक की सबसे भारी कांवड़ नजर आई। श्रद्धा और धैर्य का एक असाधारण उदाहरण पेश करते हुए नकुड़ के गांव नयागांव निवासी मनोज कुमार 306 दिनों से लगातार कांवड़ यात्रा पर हैं। उन्होंने हरिद्वार से 351 लीटर गंगाजल अपने कंधों पर लेकर सफर शुरू किया था और अब वह सहारनपुर रोड स्थित हरि कॉलेज के पास पहुंच चुके हैं।

न कोई मन्नत, न दिखावा, अकेले चल पड़े भोले की राह

मनोज का कहना है कि यह यात्रा उन्होंने किसी मन्नत या दिखावे के लिए नहीं की है। उन्होंने न तो कोई अभ्यास किया, न ही कोई पूर्व योजना बनाई थी। केवल भोले बाबा का नाम लिया और निकल पड़े-351 लीटर गंगाजल को दोनों कंधों पर दो बड़ी केनों में बांधकर।

एक दिन में तय करते हैं एक किमी की दूरी

हर केन में लगभग 175 लीटर जल है और इसका कुल वजन इतना अधिक है कि मनोज एक दिन में मात्र एक किलोमीटर की दूरी ही तय कर पाते हैं। उन्होंने बताया कि इस गंगाजल को अपने कंधों पर अकेले उठाकर हरिद्वार से लेकर अब तक सफर किया है। गांव तक पहुंचने में अभी लगभग 6-7 दिन और लग सकते हैं।

विलक्षण प्रतिभा को देखकर हर कोई रह जाता है हैरान

मनोज की इस विलक्षण भक्ति-यात्रा को देखकर राह चलते लोग हैरान रह जाते हैं। कोई उन्हें प्रणाम करता है, कोई जल पिलाता है, तो कोई उनके साहस को सलाम करता है। उनकी इस साधना ने कांवड़ यात्रा को एक नया रूप और गहराई दे दी है।

संक्षिप्त समाचार

सत्संग में जा रहे पंजाब के श्रद्धालुओं का वाहन शिमला में नदी में गिरा; दो लोगों की मौत

शिमला , एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के चौपाल उपमंडल में शनिवार शाम एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। नेरवा फेडजपुल मुख्य मार्ग पर टंडोरी और बथाल के बीच पंजाब के नंबर की स्कॉर्पियो गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 80 से 100 मीटर नीचे सालवी नदी में जा गिरी। जिससे उसने सवार दो लोगों की मौत हो गई जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके अलावा गाड़ी में सवार 8 से 10 साल का एक बच्चा नदी में बह गया, जिसकी तलाश देर शाम तक पुलिस और स्थानीय लोग करते रहे, हालांकि अंधेरा और नदी के तेज बहाव के कारण उसका कुछ पता नहीं चल सका था। गाड़ी में सवार लोग पंजाब के नवांशहर के रहने वाले थे और सत्संग में भाग लेने आ रहे थे। इस हादसे में मारे गए लोगों की पहचान कुमार सुची और गुरमेल लाल के रूप में हुई है। घायल होने वालों में बलविंदर (उम्र करीब 35 वर्ष) पत्नी हरबंस लाल, और केशव कुमार (उम्र करीब 32 वर्ष) पुत्र नरेन्द्र कुमार शामिल हैं। घायलों का उपचार नेरवा अस्पताल में चल रहा है। हादसे के बाद नेरवा थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और राहत व बचाव कार्य में जुटे रहे। अंधेरा होने और नदी का जल स्तर बढ़ने की वजह से बचाव अभियान में दिक्कतें आ रही हैं। हादसे के बाद नदी में गिरी कार आधी डूबी हुई थी। चौपाल उपमंडल के डीएसपी सुशांत शर्मा ने हादसे की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि दो लोगों की मौत हो चुकी है और एक बच्चा नदी में बहने की वजह से लापता है। उसकी तलाश में टीमें जुटी हुई हैं। बता दें कि हिमाचल में मॉनसून सीजन जो 20 जून से शुरू हुआ है, लगातार आफत बरपा रहा है। अब तक विभिन्न वर्षा जनित हादसों में 95 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 39 मौतें सड़क हादसों में हुई हैं। बरसात के कारण सड़कों पर फिसलन और पहाड़ी रास्तों की खतरनाक हालत के चलते प्रशासन ने लोगों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है, खासकर नदी-नालों और पहाड़ी इलाकों में सफर के दौरान। मौसम विभाग ने आगामी 18 जुलाई तक राज्य में भारी वर्षा का येलो अलर्ट जारी किया है।

जयपुर में छेड़छाड़ की घटना के बाद बवाल, दो पक्षों में जमकर चले पत्थर; कई लोग घायल

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के जयपुर में शनिवार शाम को कथित तौर पर छेड़छाड़ की घटना को लेकर भारी बवाल हो गया। इस दौरान दो समुदायों के बीच जमकर पथराव हुआ। इस हिंसा में कई लोगों के घायल होने की खबर है। घटना के बाद से इलाके में तनाव का माहौल है और स्थिति को काबू करने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, जयपुर के सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील रामगंज के बाबू का टीका इलाके में शनिवार शाम छेड़छाड़ की घटना के बाद दो समुदायों के बीच झड़प और टकराव से तनाव फैल गया। इस दौरान दोनों तरफ से पथराव हुआ। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, एक समुदाय के लोगों द्वारा एक महिला को कथित तौर पर परेशान किए जाने के बाद विवाद शुरू हुआ।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर भीषण सड़क हादसा; 4 की मौत, आधा दर्जन घायल

कोटा , एजेंसी। राजस्थान के कोटा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर रविवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। एक्सीडेंट में दो वाहनों के बीच जोरदार टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई। वही हादसे में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए हैं। यह हादसा जिले के बूढ़ादीत थाना इलाके में चम्बल नदी पर हुआ है। बूढ़ादीत थाना अधिकारी रघुनाथ सिंह ने बताया कि मरने वाले लोग करौली के निवासी थे। वह लोग अपने रिश्तेदारों के साथ गोद भराई के कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के इंदौर गए थे। कार्यक्रम समाप्ति के बाद सभी लोग इंदौर से वापस दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के रास्ते करौली लौट रहे थे। तभी बूढ़ादीत के पास चंबल नदी पर अज्ञात वाहन ने टेंपो ट्रैक्स को टक्कर मार दी। हादसा के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर मौत हुई है जबकि एक की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। वहीं दो वाहनों में हुई जोरदार टक्कर के बाद टेंपो ट्रैक्स वाहन पीछे से अन्य वाहन से टकरा गया। पुलिस ने बताया कि हादसे में सुरेश सोनी, गीता सोनी और अनिल की मौके पर मौत हो गई।

जम्मू-कश्मीर में शहीदों के कब्रिस्तान की तरफ जाने वाली सड़कें सील, एनसी के नेता नजरबंद

श्रीनगर , एजेंसी।
जम्मू-कश्मीर के अधिकारियों ने रविवार को शहर के नौहट्टा इलाके में शहीदों के कब्रिस्तान की ओर जाने वाली सभी सड़कों को सील कर दिया। सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस ने दावा किया कि उसके कई नेताओं को नजरबंद कर दिया गया है। शहीद दिवस पर कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका के मद्देनजर श्रीनगर शहर के सभी प्रवेश मार्गों पर भारी संख्या में पुलिस और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि केवल अधिकारियों और सुरक्षाबलों के वाहनों को ही प्रवेश मार्गों पर लगाए गए अवरोधक को पार करने की अनुमति दी गई है।

एनसी ने श्रीनगर के जिलाधिकारी से 13 जुलाई 1931 के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने की इजाजत देने का अनुरोध किया था। हालांकि, जिला प्रशासन ने अनुमति देने से इनकार कर दिया। श्रीनगर पुलिस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर सार्वजनिक परामर्श जारी कर कहा, 'श्रीनगर जिला प्रशासन ने 13 जुलाई 2025 को ख्वाजा बाजार, नौहट्टा की ओर जाने का अनुरोध करने वालों को इजाजत देने से इनकार कर दिया है।' पुलिस ने कहा कि आम

जनता को सलाह दी जाती है कि वे इन निर्देशों का सख्ती से पालन करें और जिला प्रशासन के आदेशों का उल्लंघन करने से बचें। पुलिस ने आगाह किया कि इन आदेशों का किसी भी प्रकार से उल्लंघन करने पर कानून के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अनुमति न दिए जाने को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता तनवीर सादिक ने कहा कि 13 जुलाई कोई आम तारीख नहीं है। सादिक ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'यह सम्मान, न्याय और अधिकारों को हासिल करने के लिए दिए गए बलिदानों की याद दिलाता है।' सादिक ने कहा कि कश्मीर के लोग दृढ़ संकल्प के साथ अपने शहीदों का सम्मान करते रहेंगे। अगस्त 2019 में तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुनर्गठित किए जाने से पहले 13 जुलाई को जम्मू और कश्मीर में सार्वजनिक अवकाश होता था। तत्कालीन डोगरा शासक महाराजा हरि सिंह की सेना की ओर से शहीद किए गए 22 लोगों को श्रद्धांजलि देने के वास्ते प्रतिवर्ष राजकीय समारोह आयोजित किया जाता था। हालांकि, प्रशासन ने 2020 में इस दिन को राजपत्रित छुट्टियों की सूची से हटा दिया।

इस दिन यहां के नेता भी शहीदों की कब्र पर जाकर उन कश्मीरियों को श्रद्धांजलि देते थे, जो महाराजा के शासन का विरोध करते हुए डोगरा सेना की गोलियों का शिकार हुए थे। इस बीच, सादिक ने एक्स पर किए एक अन्य पोस्ट में दावा किया कि पार्टी के कई नेताओं को नजरबंद किया गया है। उन्होंने कहा, 'कल रात से मुझे और पार्टी के मेरे कई सहयोगियों को नजरबंद किया गया है। ऐसी कार्रवाई न केवल अनावश्यक है बल्कि अनुचित और अत्यंत असंवेदनशील भी है।'

फोटो खिंचवाते समय पत्नी ने पति को दिया धक्का, कृष्णा नदी से लोगों ने निकाला

गुरजापुर बैराज , एजेंसी। कर्नाटक में कृष्णा नदी में एक व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि फोटो खिंचवाने के दौरान उसकी पत्नी ने उसे नदी में धक्का दे दिया। यह घटना कर्नाटक के रायचूर जिले में गुरजापुर पुल औरबैराज के पास हुई। वह कृष्णा नदी के बीच फंसा हुआ जोर-जोर से चिल्ला रहा था बचाओ भाई! पकड़ो उसे! किसी को बुलाओ! प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो उसकी पत्नी ने फोटो खींचते समय नदी में धक्का दिया था।

यह घटना गुरजापुर बैराज के पास हुई, जहां पति-पत्नी फोटो लेने के लिए रुके थे। नदी के किनारे चट्टानों पर खड़े होकर वे फोटो खींच रहे थे कि तभी व्यक्ति नदी में जा गिरा। स्थानीय लोगों ने उसकी चीखें सुनकर तत्काल मदद की। एक वायरल वीडियो में महिला कहती है, मैंने उसे नहीं धक्का दिया। हम फोटो खींच रहे थे, वो खुद फिसल गया। वह नदी के बीच एक चट्टान पर खड़ा बचाव के लिए चिल्ला रहा था।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा को जोड़ने वाला नया रोड कब तक होगा तैयार? 4 वजहों से हो रही देरी

नोएडा, एजेंसी।
नोएडा के सेक्टर-145 नलगढ़ा के पास से हिंडन पुल के जरिए ग्रेटर नोएडा के एलजी चौक तक बनने वाला नया रोड अगले साल मार्च तक पूरा होगा। हिंडन पर पुल बनने के काम की रफ्तार बेहद धीमी है, जिसकी वजह से परियोजना को पूरा होने में समय लग रहा है। पुल के एक तरफ नोएडा प्राधिकरण और दूसरी तरफ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण एप्रोज रोड बनाने का काम कर रहे हैं, जबकि हिंडन पर पुल बनाने का काम सेतु निगम के पास है। नोएडा प्राधिकरण की तरफ से सड़क बनाने का काम इस साल अक्टूबर तक

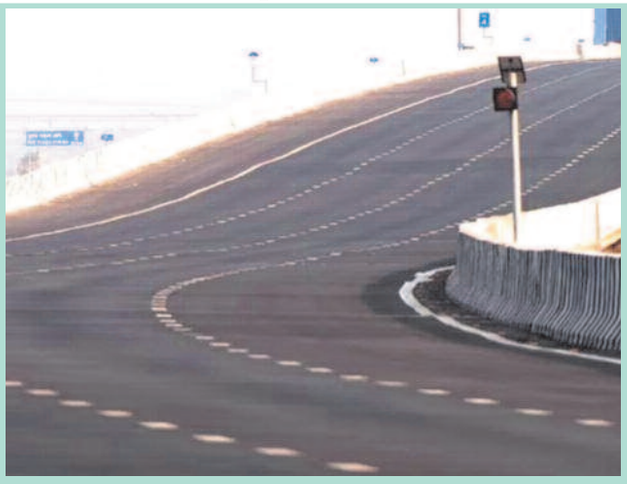

पूरा कर लिया जाएगा। 850 मीटर की अप्रोच रोड बनाई जा रही है। यह सड़क हिंडन पुल से ग्रेटर नोएडा के एलजी चौक से आने वाले ट्रैफिक को सेक्टर-145 की 45 मीटर रोड से जोड़ देगी। डूब क्षेत्र और नदी के किनारे की इस सड़क पर जल निकासी के लिए नाले बनवाए जा रहे हैं। हिंडन पर बन रहे पुल का काम 2019 से बंद था। नवंबर-2023 से इस पुल का काम दोबारा शुरू हुआ। 50 मीटर हिस्से में सड़क बनाने का काम बाद में किया जाएगा। पुल के ढलान को मिलाने के लिए इस हिस्से में सड़क बाद में बनेगी। नोएडा प्राधिकरण करीब 32 करोड़ रुपये की लागत से सड़क बनवा रहा है। दूसरी तरफ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण अपने हिस्से में सड़क बनाने के लिए पूरी जमीन का अधिग्रहण नहीं कर सका है। कुछ ही हिस्से में सड़क बनाने का काम चल रहा है। हालांकि, पुल बन जाने पर कच्चे रास्तों से वाहन नोएडा-ग्रेटर नोएडा की तरफ आ-जा सकेंगे। हिंडन पर पुल बनाने का काम सेतु निगम के पास है। यहां काम की रफ्तार काफी धीमी है। करीब 68 प्रतिशत ही काम पूरा हो सका है। यह पुल 200 मीटर लंबा और छह लेन का बनाया जा रहा है। इस पर करीब 70 करोड़ रुपये का खर्च अनुमानित है। सेतु निगम की ओर से निर्माण कार्य की लागत बढ़ाने के लिए नोएडा-ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को पत्र भेजा जा चुका है। खर्च को नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण 50-50 मिलकर वहन करेंगे। पुल बनाने का काम पूरा होने में कम से कम आठ महीने का समय और लगेगा। ऐसे में अगले साल मार्च तक ही नोएडा-ग्रेटर नोएडा के बीच नए रास्ते का फायदा वाहन चालकों को मिल पाएगा। अभी नोएडा से ग्रेटर नोएडा के बीच अधिकांश ट्रैफिक नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे, डीएससी और 130 मीटर रोड के जरिए आता-जाता है।

तमिलनाडु में डीजल ले जा रही मालगाड़ी में लगी भीषण आग, खतरनाक लपटों वाला वीडियो वायरल

तिरुवल्लूर , एजेंसी।
तमिलनाडु में तिरुवल्लूर के निकट डीजल ले जा रही मालगाड़ी में रविवार सुबह भीषण आग लग गई। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग पहले मालगाड़ी के एक डिब्बे में लगी और फिर तेजी से दूसरे डिब्बों में फैल गई। आग की तेज लपटें काफी ऊपर तक उठती नजर आईं, जिसका वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। रेलवे अधिकारी ने कहा कि सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियों को

घटनास्थल पर भेज दिया गया। रेल सेवाओं के लिए ओवरहेड विद्युत आपूर्ति रोक दी गई। दक्षिणी रेलवे ने एक बयान में कहा, एहतियाती उपाय के तौर पर लोकल ट्रेन सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा 8 एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है और 5 अन्य ट्रेनों के मार्ग बदल दिए गए हैं। 8 ट्रेनों को उनके गंतव्य स्थान से पहले ही रोक दिया गया है।'

सीनियर अधिकारी ने बताया कि आग लगने का कारण तत्काल पता नहीं चल पाया है। हालांकि, इसकी जांच की जा रही है।

यूपी में एनडीए सहयोगी दलों ने तेज की आरक्षण की मांग

लखनऊ , एजेंसी।
उत्तर प्रदेश में अगला विधानसभा चुनाव अभी कुछ समय दूर है, लेकिन एनडीए के सहयोगी दलों ने अपनी सियासी ताकत दिखानी शुरू कर दी है। इसके लिए आरक्षण से जुड़े मुद्दे को जोरशोर से उछाला जा रहा है। निषाद पार्टी के नेता और मंत्री संजय निषाद ने कहा कि निषाद समुदाय को अनुसूचित जाति (सष्ट) आरक्षण सूची में शामिल किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा न करने से गठबंधन की 2027 की चुनावी संभावनाओं को नुकसान पहुंच सकता है। संजय निषाद ने कहा, जब राम मंदिर और अनुच्छेद 370 जैसे बड़े मुद्दों का समाधान हो चुका है, तो निषादों को एससी का दर्जा देना कोई मुश्किल काम नहीं होना चाहिए।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता और मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने भी अन्य पिछड़ा वर्ग में उप-वर्गीकरण का मुद्दा उठाया है। उन्होंने रोहिणी आयोग की रिपोर्ट को उत्तर प्रदेश में लागू करने की मांग की है। राजभर ने इकोनॉमिक टाइम्स से कहा, कुछ ही जातियां 27त्न ओबीसी कोटे का पूरा लाभ ले रही हैं। सुप्रीम कोर्ट से कोटे के भीतर कोटा की इजाजत मिल चुकी है। हरियाणा ने इसे लागू भी कर दिया है तो यूपी में क्यों नहीं? राजभर ने यह मुद्दा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने उठाया है और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की योजना बना रहे हैं।

इसके अलावा, ओम प्रकाश राजभर की नजर अब मऊ सदर विधानसभा सीट पर है, जो उनके पार्टी विधायक अब्बास अंसारी की सजा के बाद खाली हो गई है। चर्चा है कि वे इस सीट पर अपने बेटे अरविंद राजभर को उतारना चाहते हैं। सुभासपा चीफ ने कहा, मुस्लिमों के बाद राजभर मऊ सदर में सबसे बड़ा समूह हैं, करीब 80 हजार। हम इस सीट पर चुनाव लड़ेंगे। इस बीच, अपना दल के आशीष पटेल ने भी हाल ही में राज्य सरकार के साथ कुछ मुद्दे उठाए हैं, जो गठबंधन के भीतर तनाव के संकेत दे रहे हैं।

भाजपा-आरएसएस का मुखपत्र बन गई सीबीआई, हिरासत में मौत पर विजय की पार्टी का हल्लाबोल

कझगम , एजेंसी।
तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के कार्यकर्ताओं ने पार्टी प्रमुख और अभिनेता विजय की उपस्थिति में रविवार को जोरदार प्रदर्शन किया। उन्होंने हिरासत में मौत के शिकार अजीत कुमार के लिए न्याय की मांग को लेकर आवाज उठाई। टीवीके कार्यकर्ता बड़ी संख्या में चेन्नई में एकत्र हुए और इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस दौरान वे जमकर नारेबाजी करते नजर आए। अजीत कुमार एक गरीब परिवार से थे, जिनकी हिरासत में मृत्यु ने स्थानीय लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया है।

टीवीके चीफ विजय ने कहा, मुख्यमंत्री ने माफी मांगी, यह गलत नहीं है। लेकिन, आपके शासन में हिरासत में मरे 24 अन्य पीड़ितों के परिवारों से भी माफी मांगनी चाहिए। क्या उन परिवारों को आर्थिक सहायता दी गई? सथानकुलम हिरासत यातना मामले को सीबीआई को सौंपने पर आपने इसे तमिलनाडु पुलिस के लिए शर्मनाक बताया था। अब वही सीबीआई बीजेपी और आरएसएस का मुखपत्र बन गई है। आप केंद्र सरकार के पीछे क्यों छिप रहे हैं? टीवीके ने मांग की है कि अदालत की निगरानी में विशेष जांच दल गठित किया जाए।

केंद्रीय जांच ब्यूरो ने तमिलनाडु के मदापुरम मंदिर के चौकीदार अजीत कुमार की हिरासत में मौत के सिलसिले में शिवगंगा जिले के पुलिसकर्मियों के खिलाफ

शनिवार को मामला दर्ज किया। इससे पहले राज्य सरकार ने अजित की हिरासत में मौत के संबंध में दर्ज केस की जांच शिवगंगा जिले के थिरुप्पुवनम पुलिस स्टेशन से सीबीआई को भेज दी थी। सीबीआई ने कहा कि उसने भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 103 के तहत मामला दर्ज किया है और जांच अपने हाथ में ले ली है। इस साल 29 जून को आभूषण चोरी के मामले में पूछताछ के लिए पुलिस अजीत को लेकर गई थी। पुलिस की ओर से अजित को प्रताड़ित करने के तरीके को लेकर हंगामा खड़ा हो गया था। मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ ने भी स्वतः संज्ञान लेते हुए पुलिस पर अजीत के साथ आतंकवादी जैसे व्यवहार करने पर कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने अजित के शरीर पर बाहरी चोटों का हवाला देते हुए उसे दी गई यातना की भयावहता का खुलासा किया।

गुरुग्राम के सोहना की अवैध कॉलोनी में 200 घरों पर चलेंगे बुलडोजर, ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त

गुरुग्राम एजेंसी।
गुरुग्राम के सोहना शहर के वार्ड 13 में स्थित हरियाणा टूरिज्म निगम की करीब साढ़े नौ एकड़ जमीन पर बसी अवैध कॉलोनी पर जल्द ही बुलडोजर चलेगा। पर्यटन निगम की मांग पर जिला उपायुक्त ने इसके लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट की नियुक्ति कर दी है और पुलिस सहायता मिलते ही निगम द्वारा इस अवैध कॉलोनी में बने करीब 200 मकानों को ध्वस्त किया जाएगा।

अरावली पहाड़ी से सटी वार्ड नंबर 13 में हरियाणा टूरिज्म निगम की यह जमीन पिछले करीब 15 वर्षों से अवैध रूप से बसी हुई थी। इन अवैध मकानों में रहने वाले परिवारों ने पक्के मकानों के साथ-साथ झोपड़ियां और पशुपालन के आशियाने भी बना रखे थे। हालांकि, इन परिवारों के मुखिया पर्यटन विभाग के खिलाफ अदालत में चल रहे मामलों में हार चुके हैं। अदालत ने इस कॉलोनी को तोड़ने के आदेश जारी किए हैं।

बार्बेट कॉम्प्लेक्स सोहना के प्रबंधक सुनील शर्मा ने बताया कि जिला उपायुक्त ने उनकी मांग को स्वीकार करते हुए ड्यूटी मजिस्ट्रेट की नियुक्ति कर दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस बल मिलने के साथ ही निगम की जमीन पर बसी इस कॉलोनी को ध्वस्त किया जाएगा। बता दें कि, एक दिन पहले ही सोहना के गांव टोलनी में अवैध रूप से फार्म हाउस कॉलोनियां काटने के आरोप में बिल्डर, एजेंट के अलावा तहसीलदार और पटवारी समेत आठ लोगों के खिलाफ थाना डीएलएफ फेज-2 में दो मामले दर्ज हुए हैं। किसी भी मामले में अभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। यह मामले अदालत के आदेश पर दर्ज हुए हैं। पहला मुकदमा शिकायतकर्ता वरिष्ठ नागरिक सुरवीना भल्ला की शिकायत पर दर्ज हुआ। शिकायत में उसने बताया कि दिसंबर, 2020 में उन्हें दो रियल एस्टेट एजेंट ने संपर्क किया। गांव टोलनी में फार्म हाउस खरीदने की बात कही। उन्हें फार्म हाउस के ब्रॉशर दिखाए। इस फार्म हाउस कॉलोनी को बिल्डर हरि दास गुप्ता और उनकी पत्नी राजबाला की तरफ से काटा जा रहा था । फरवरी, 2021 में उन्होंने 1.30 करोड़ रुपये देकर 16 कनाल भूमि खरीदी। करीब

22 करोड़ रुपये निवेश करके फार्म हाउस बनाना शुरू कर दिया। 15 जून, 2021 को नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग ने उनके फार्म हाउस को मलबे में मिला दिया। दूसरा मुकदमा 58 वर्षीय अमित बंगा की शिकायत पर दर्ज हुआ है। उसने बताया कि जनवरी, 2020 में हरिदास गुप्ता की कंपनी एमएस गोल्डकिस्ट डिवेलपर्स प्राइवेट लिमिटेड से फार्म हाउस निर्माण के लिए 2.94 करोड़ रुपये में जमीन खरीदी थी। फार्म हाउस कॉलोनी में गेट, चारदीवारी लगाए गए थे। बाद में नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग में पता चला कि यह फार्म हाउस कॉलोनी अवैध रूप से विकसित की जा रही है। इसकी कोई मंजूरी नहीं ली गई है।

मलाई से घी बनाते समय कमरे में फैली बदबू को इन हैक्स से करें दूर, अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

अगर आप छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं तो घी की गंध से नाक में दम हो सकता है। वहीं इस दौरान यदि घर में कोई मेहमान आ जाए, तो वह भी बहुत असहज हो सकता है। अगर आप भी घी बनाते हुए आने वाली गंध पसंद नहीं है, तो आप हैक की मदद ले सकते हैं।

स्वास्थ्य के लिए घी बहुत ही अच्छा माना जाता है। भारतीय घरों में घी का खूब इस्तेमाल होता है। मार्केट में सबकुछ मिलावटी मिलने लगा है। मिलावटी और नकली घी स्वास्थ्य के लिए काफी खतरनाक हो सकता है। इस कारण आज भी बहुत सारे घरों में खुद से मलाई से घी तैयार किया जाता है। लेकिन जब घी बनाया जाता है, तो इसकी गंध बहुत तेज निकलती है। इसकी महक इतनी ज्यादा तेज होती है कि घर में दम घुटने लगे।

ऐसे में अगर आप छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं तो घी की गंध से नाक में दम हो सकता है। वहीं इस दौरान यदि घर में कोई मेहमान आ जाए, तो वह भी बहुत असहज हो सकता है। अगर आप भी घी बनाते हुए आने वाली गंध पसंद नहीं है, तो आप हैक की मदद ले सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घी बनाने के दौरान आने वाली बदबू को कैसे दूर किया जा सकता है।

इस चीज से दूर होगी घी की बदबू

घी से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए आप विनेगर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए जब भी आप घी बनाएं, तो एक गिलास में सिरका भरकर गैस के बगल में रख दें। सिरका एक नेचुरल स्मेल ऑब्जर्वर की तरह काम करता है। यह हवा में मौजूद गंध को सोख लेता है। यह घी की तेज गंध को रोकने में सहायता करता है।

विनेगर

विनेगर में एसिटिक एसिड मौजूद होता है, जोकि हवा में मौजूद पार्टिकल्स को न्यूट्रलाइज करने का काम करता है। यह बदबू को खत्म करता है, जोकि रसोई में बहुत काम आ सकता है। इससे न सिर्फ घी की बल्कि अन्य कई तरह की दूसरी बदबू भी दूर कर सकते हैं।

ऐसे दूर करें बदबू

इसके अलावा आप अन्य कई तरीकों से भी घी की बदबू को दूर किया जा सकता है। इसके लिए आप किचन में एसेंशियल ऑयल भी रख सकते हैं, इससे भी महक दूर होगी।

बता दें कि घी की महक को दूर करने के लिए इसको बनाने के दौरान किचन की खिड़की को खुला रखें। साथ ही एग्जॉस्ट फैन को भी ऑन रखें।

रोज सुबह की ये चार आदतें किडनी को रखेंगी हेल्दी, आज ही रूटीन में करें शामिल

जब किडनी पर अधिक बोझ पड़ने लगता है तो यह ठीक तरीके से काम नहीं कर पाते हैं। जिससे शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा होने लगते हैं। इसलिए किडनी को डिटाक्स करना काफी जरूरी होता है। किडनी का डिटॉक्स करने से अंगों की कार्यक्षमता में सुधार होता है।

किडनी हमारे शरीर के सबसे जरुरी अंगों में से एक है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने, चयापचय प्रक्रियाओं को संतुलित करने और खून को साफ करने में अहम भूमिका निभाता है। लेकिन जब किडनी पर अधिक बोझ पड़ने लगता है तो यह ठीक तरीके से काम नहीं कर पाते हैं। जिससे शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा होने लगते हैं। इसलिए किडनी को डिटाक्स करना काफी जरूरी होता है। किडनी का डिटॉक्स करने से अंगों की कार्यक्षमता में सुधार होता है। वही शरीर में ऊर्जा का सही संतुलन बना रहता है। वहीं आजकल की अनहेल्दी लाइफस्टाइल, प्रदूषण, गलत खानपान और स्ट्रेसफुल लाइफस्टाइल की वजह से किडनी पर अधिक बोझ पड़ता है। वहीं डिटॉक्स प्रोसेस से इन अंगों को आराम मिलता है और वह अपनी कार्यक्षमता को भी बनाए रख पाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सुबह की चार ऐसी आदतों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको डेली रूटीन में शामिल करके आप किडनी को डिटॉक्स करके स्वस्थ रख सकते हैं।

गुनगुने पानी में नींबू डालकर पिएं – सुबह उठते ही खाली पेट गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़कर पीने से लिवर डिटॉक्स करने में सहायता मिलती है। नींबू में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जोकि किडनी को शुद्ध करने और पाचन में सुधार का काम करते हैं। सुबह की यह आदत शरीर हाइड्रेटेड रखने में सहायता करती है।

ग्रीन टी या हर्बल टी पिएं – सुबह के समय आप चाय या कॉपी भी जगह हर्बल टी या फिर ग्रीन टी का सेवन कर सकते हैं। ग्रीन टी में कैटेचिन्स पाए जाते हैं, जो किडनी की सफाई करने में सहायता करते हैं और उसकी कार्यक्षमता को बढ़ाते हैं। डेंडेलियन या तुलसी की चाय किडनी की सफाई में भी फायदेमंद साबित हो सकती है।

फल खाएं – सुबह के समय नाश्ते में पानी से भरपूर फल जैसे खीरा, तरबूज, अंगूर या संतरा आदि का सेवन करना चाहिए। यह फल शरीर को हाइड्रेट रखते हैं और किडनी से विषाक्त पदार्थों को निकालने में भी सहायता करते हैं। फलों में मौजूद नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स किडनी की कार्यक्षमता को बेहतर बनाते हैं।

डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें – बता दें कि सुबह की शुरूआत योग और गहरी सांस लेने वाली एक्सरसाइज से करनी चाहिए। डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज करने से बॉडी में ऑक्सीजन लेवल बढ़ता है, साथ ही यह विषाक्त पदार्थों को निकालने में सहायता करता है। गहरी सांस लेने से अंगों को डिटॉक्स होने में सहायता मिलती है। इसके अलावा आप धनुरासन, भुजंगासन और कपालभाति प्राणायाम कर सकते हैं, यह किडनी के लिए फायदेमंद होते हैं।

बारिश के मौसम ये गलती ना कर बैठना ये खाते ही पेट हो जाएगा खराब

मॉनसून का मौसम हर किसी को बहुत पसंद होता है। बारिश की ठंडी बूंदें, हरियाली और ठंडी हवा का आनंद सबको भाता है। लेकिन मॉनसून के मौसम में खाने-पीने को लेकर थोड़ा सावधानी बरतनी बहुत जरूरी होती है। इस मौसम में कई तरह की बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ जाता है क्योंकि नमी और ठंडक की वजह से बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं। ऐसे में कुछ खास फूड्स ऐसे होते हैं जिन्हें मॉनसून में बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए, वरना सेहत को गंभीर नुकसान हो सकता है।

आज हम आपको मॉनसून में न खाने वाले पांच फूड्स के बारे में बताएंगे, ताकि आप इस बारिश के मौसम का मज़ा लें और बीमारियों से बच सकें।

बाहर का खाना

मॉनसून में बाहर का खाना खाने से बचना चाहिए। खासकर सड़क किनारे मिलने वाले पकौड़े, समोसे, पकोड़े और अन्य स्नैक्स में नमी की वजह से बैक्टीरिया पनप सकते हैं। बारिश के कारण सड़कें गीली और कीचड़ से भरी होती हैं, जिससे भोजन में गंदगी आसानी से लग जाती है। इससे खाना तुरंत खराब हो सकता है और खाने के बाद पेट में दर्द, एसिडिटी, उल्टी-दस्त जैसी परेशानियां हो सकती हैं। अगर बाहर खाना हो भी तो हमेशा साफ-सफाई का ध्यान रखें और सुनिश्चित करें कि खाना ताजा और गर्म हो। घर पर ही ताजा और साफ-सुथरा खाना बनाएं और खाएं।

पके हुए फल और कटे हुए सलाद

मॉनसून में खुले में रखे कटे हुए फल और सलाद बिल्कुल न खाएं। बारिश की नमी और हवा में मौजूद कीटाणु इन फलों और सलादों पर जल्दी लग जाते हैं। ऐसे फल और सलाद अगर ठीक से धोएं नहीं जाते हैं तो उनमें बैक्टीरिया और कीड़े-पतंगे आसानी से पहुंच जाते हैं। इससे पेट में इंफेक्शन हो सकता है, जिसके कारण उल्टी, दस्त, और पेट दर्द हो सकता है। फलों को अच्छे से धोकर छीलकर ही खाएं। सलाद को ताजा बनाएं और घर पर ही साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें। अगर बाहर खाने का मन हो तो पैकेज्ड और अच्छे तरीके से पैक किए गए फल या सलाद लें।

डेयरी प्रोडक्ट्स (दूध, पनीर, दही)

मॉनसून में दूध और उससे बने उत्पादों के सेवन में सावधानी बरतनी चाहिए। बारिश के मौसम में दूध जल्दी खराब हो जाता है, जिससे उसमें बैक्टीरिया का विकास होता है। खराब दूध पीने से पेट में इंफेक्शन, दस्त और अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। पनीर और दही भी यदि ठीक से स्टोर न किया जाए तो इससे भी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। सभी डेयरी प्रोडक्ट्स को ठंडे और साफ वातावरण में रखें। अगर आपको दूध खरीदना हो तो फ्रिज में ठंडा दूध लें और तुरंत इस्तेमाल करें। पनीर और दही भी हमेशा फ्रिज में रखें और पुराना सामान न खाएं।

तली हुई और ज्यादा मसालेदार चीजें

मॉनसून में तला हुआ और ज्यादा मसालेदार खाना खाने से बचें। बारिश के मौसम में पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है और भारी तले हुए भोजन से पेट में भारीपन, एसिडिटी और गैस की समस्या हो सकती है। मसालेदार खाना भी कई बार पेट की परेशानी को बढ़ा देता है। मॉनसून में हल्का और पौष्टिक खाना खाएं। ज्यादा तेल-मसाले वाली चीजों से बचें। आप उबला हुआ खाना, सूप, दलिया, और सब्जियां ज्यादा खाएं ताकि आपकी पाचन क्रिया ठीक रहे।

बासी और खराब खाना

बारिश के मौसम में खाना जल्दी खराब हो जाता है। अगर आप बासी खाना खा लेते हैं तो आपको बहुत सारी बीमारियां हो सकती हैं। बासी खाना खाने से पेट में संक्रमण हो सकता है, उल्टी-दस्त और पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। मॉनसून में खास तौर पर खाने को अच्छे से ढक कर रखना चाहिए। खाना ताजा बनाएं और तुरंत खाएं। बचा हुआ खाना फ्रिज में रखें और दोबारा इस्तेमाल से पहले अच्छी तरह गर्म करें। बासी खाना बिल्कुल न खाएं।

मॉनसून में सुरक्षित रहने के लिए कुछ अन्य टिप्स

मॉनसून में हमेशा साफ-सफाई का खास ध्यान रखें।

खाने से पहले और बाद में हाथ धोएं।

भरपूर पानी पिएं, लेकिन बाहर के खुले पानी से बचें।

ताजा और अच्छी क्वालिटी के फलों और सब्जियों का सेवन करें।

अपने आस-पास के क्षेत्र में साफ-सफाई रखें ताकि मच्छरों और कीटाणुओं का प्रकोप न हो।

मौसम के अनुसार अपनी डाइट में बदलाव करें और भारी भोजन से बचें।

मॉनसून का मौसम तो बहुत ही खूबसूरत होता है, लेकिन साथ ही यह स्वास्थ्य के लिहाज से भी थोड़ा संवेदनशील होता है। इस मौसम में खाना-पीना लेकर सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। ऊपर बताई गई पांच चीजें मॉनसून में बिल्कुल न खाएं ताकि आप बीमारियों से बच सकें और स्वस्थ रह सकें। हमेशा ताजा, साफ और संतुलित भोजन करें ताकि यह मौसम आपके लिए खुशियों और सेहत से भरा रहे।

मानसून हेल्थ टिप्स: बारिश के मौसम में कैसी होनी चाहिए डाइट?

मानसून की शुरुआत देश के कई हिस्सों में हो चुकी है। बारिश के इस मौसम में मौसम तो खुशनुमा होता है, लेकिन साथ ही यह बीमारियों का खतरा भी साथ लाता है। ऐसे में सेहत का खास ध्यान रखना जरूरी होता है, खासकर हमारी डाइट यानी खाने-पीने की आदतों का।

बारिश के कारण जगह-जगह गंदा पानी जमा हो जाता है, जिससे मच्छर पनपते हैं और डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही, इस मौसम में हवा में नमी होती है, जिससे बैक्टीरिया और वायरस तेजी से फैलते हैं। ऐसे में खासतौर पर कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों को सतर्क रहने की जरूरत होती है।

हल्का और घर का बना खाना खाएं

मानसून के समय भारी और तले-भुने खाने से बचना चाहिए। जंक फूड या ओवरऑयली खाना खाने से फूड पॉइजनिंग, गैस, कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस मौसम में आप लौकी, करेला, टिंडा, तोरी, और दलिया जैसी हल्की चीजें खाएं। ये ना सिर्फ पचने में आसान होती हैं, बल्कि इम्युनिटी भी बढ़ाती हैं।

मौसमी फल जरूर खाएं

बारिश के समय मिलने वाले फ्रेश फल जैसे – आम, संतरा, तरबूज, खरबूजा खाने से शरीर को जरूरी पोषण और विटामिन्स मिलते हैं। ये फल आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को मजबूत करते हैं और बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं।

गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें

मानसून में ठंडे ड्रिंक्स या कोल्ड ड्रिंक पीने से गला खराब, जुकाम, खांसी जैसी परेशानियां हो सकती हैं। बेहतर होगा कि आप गर्म पानी, हल्दी वाला दूध, अदरक-तुलसी का काढ़ा, या हर्बल चाय पिएं। इससे शरीर हाइड्रेट भी रहेगा और इन्फेक्शन से बचाव भी होगा।

प्रोबायोटिक्स को डाइट में शामिल करें

इस मौसम में पाचनतंत्र का ख्याल रखना जरूरी है। दही और छाछ जैसे प्रोबायोटिक फूड्स पेट के लिए फायदेमंद होते हैं। ये पाचन क्रिया सुधारते हैं और आपकी गट हेल्थ को मजबूत करते हैं।

जंक फूड और स्ट्रीट फूड से दूरी बनाएं

बरसात में गंदगी और नमी के चलते बाहर के खाने में अक्सर हाइजीन की कमी होती है। इसलिए स्ट्रीट फूड, कटे-फटे फल, और बासी खाने से बचें। इससे फूड पॉइजनिंग और संक्रमण का खतरा हो सकता है।मानसून का मौसम भले ही सुहावना हो, लेकिन सेहत के लिए जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि आप साफ-सुथरा, हल्का और पोषक खाना खाएं। इम्युनिटी को मजबूत रखें और फालतू के खाने से दूरी बनाएं।

संपादकीय | सोच पर सवाल है गुरुग्राम की त्रासदी...

एक विकासमान समाज तभी तक आगे का सफर जारी रख सकता है, जब वह बदलते वक्त के नए मूल्यों को आत्मसात करता है और अपने प्रगतिशील विवेक के साथ बदलाव में संतुलन कायम रखता है। विडंबना यह है कि कई बार समाज की नई पीढ़ी बदलाव में अपनी जगह बनाने के लिए वक्त की जरूरतों के साथ तालमेल बिठाने की कोशिश करती है, लेकिन उसके सामने तंगनजरी या संकीर्णताएं दीवार बन कर खड़ी हो जाती हैं। इस तरह की बाधाएं कई बार इतनी सख्त होती हैं कि उसमें मानवीय संवेदनाओं के लिए भी गुंजाइश नहीं बचती और अपने विवेक से अपना भविष्य बनाने या जीवन-मूल्य चुनने वाले किसी युवा को हिंसा के बल पर रोकना हल मान लिया जाता है।

दिल्ली से सटे गुरुग्राम में जिस तरह एक व्यक्ति ने अपनी बेटी की हत्या कर दी, उसने एक बार फिर सबको यह सोचने पर मजबूर किया है कि आजादी के सात दशक बाद और विकास के तमाम आधुनिक मूल्यों के बीच समाज आखिर विरोधाभासों की कितनी परतों के बीच जीता है!

गौरतलब है कि गुरुग्राम में गुरुवार को राज्य स्तरीय टेनिस खिलाड़ी रही एक लड़की की उसके पिता ने गुस्से में आकर गोली मार कर हत्या कर दी। खबरों के मुताबिक, इसकी वजह यह थी कि बेटी के एक टेनिस अकादमी चलाने की वजह से पिता को समाज में कुछ लोग अक्सर ताने मारते थे। किसी भी स्थिति में क्या यह इतनी बड़ी वजह हो सकती है कि इससे खफा होकर कोई पिता अपनी बेटी की जान तक ले ले? संभव है कि पिता ने अपनी बेटी के टेनिस खिलाड़ी बनने और संघर्ष करके राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने

के सफर में हरसंभव योगदान दिया होगा। मगर उसके लिए समाज के ताने इतने भारी क्यों हो गए कि वह उसी बेटी का दुश्मन हो गया?

आज मौका मिलने पर हर क्षेत्र में लड़कियों ने अपनी क्षमताएं साबित की हैं और यह किसी भी समाज के लिए एक स्वागतयोग्य तस्वीर है। लेकिन यह भी एक तकलीफदेह सच है कि इस समाज का ज्यादातर हिस्सा जिस जड़ता के मानस और पारंपरिक मूल्यों के दायरे में जीता है, उसके बीच एक लड़की का चारदीवारी से बाहर अपनी जगह बनाना, व्यक्तित्व का विकास करना बेहद जद्दोजहद से भरा सफर होता है। इसके बावजूद अगर कोई लड़की अपनी क्षमताओं के बूते आगे बढ़ती है, सार्वजनिक जीवन और गतिविधियों में सक्रिय दिखती है, तो इसे समाज की पितृसत्तात्मक दृष्टि अपने पारंपरिक मूल्यों के खिलाफ मानती है और उसे रोकने की हर कोशिश की जाती है। गुरुग्राम में अपने पिता के हाथों जान गंवाने वाली बेटी भी दरअसल इन्हीं पितृसत्तात्मक और सामंती मूल्यों की शिकार हुई। एक ओर, टेनिस अकादमी चला कर अपने बूते खड़ा होने और सोशल मीडिया के मंचों पर अपनी मौजूदगी दर्ज करने वाली लड़की समाज की नजर में सहज स्वीकार्य नहीं हुई, तो दूसरी ओर कुछ लोगों की कुंठाओं से उपजे ताने से पिता इतना आहत हुआ कि उसने अपनी बेटी को ही मार डाला।

सवाल है कि पिता का अहं उसकी संवेदना पर भारी क्यों पड़ा! यह एक विचित्र विरोधाभासों के बीच जीते समाज की तस्वीर है, जिसमें लोग आधुनिक तकनीक और संसाधनों की सुख-सुविधाओं को हासिल करने की होड़ में तो लगे हैं, लेकिन सोच और मानसिकता के स्तर पर जड़ता से लैस ऐसी रूढ़ियों के वाहक भी हैं, जो उन्हें हिंसक भी बना देती है। ऐसी हिंसा तक ले जाने वाली कोई भी परंपरा या मानसिकता क्या किसी समाज के मानवीय मूल्यों को बचा सकेगी?

कब्ज

मीना अग्रवाल
नेचुरोपैथी

कब्ज से हद से ज्यादा परेशान करने वाला रोग है पर जितना ही है अधिक परेशान करने वाला है शिंत कि आप इसे हटाने के लिए कुछ करने में सचमुच तैयार हो।

आप तो अपने मामूली कब्ज से पीड़ित होंगे, पर मुझे तो रोज ही ऐसे मरीजों की कब्ज की बात सामने आती है जो हर तीसरे व चौथे दिन दवा लेकर शौच को जाते हैं और वह हर रात को सोते हैं कि कल कब्ज शुरू होगी और कब्ज को दूर करने के लिए कब्ज की दवाई लेकर सोते हैं इस तरह रोज कब्ज और रोज दवा की आदत लोगों में कितनी अधिक है इसका अंदाज आप आप इसी से कर सकते हैं कि संसार में कुल मिलाकर जितनी कीमत की दवा और रोगों की बिकती होगी। उससे कहीं गुना अधिक केवल कब्ज की बिकती है और इसमें हरे, बहेड़ा, आंवला, गुलकंद, मुनक्का और उन सिगरेट, बीड़ी, कॉफी, चाय की कीमत नहीं जोड़ी गई है जिनका उपयोग भी लोग कब्ज को दूर करने के लिए किया करते हैं।

व्हाट्सएप में लोग अपने शरीर की कार्य विधि के बारे में नहीं जानते। कब्ज का कारण नहीं समझने समझाने की कोशिश भी नहीं करते। उनकी एक छोटी सी मशीन साइकिल या मोटर में कुछ नुक्स पैदा हो जाए तो उसे वह 100 बार खोलेंगे, गड़बड़ी का कारण ढूंढेंगे पर शरीर रूपी मूल्यवान मशीन का कुछ भी ख्याल जानने की कोशिश नहीं करते क्योंकि यह किसी तरह अंत तक चलती रहती है और बंद होती है केवल जब इसे बनाने के लिए कुछ भी नहीं किया जा सकता।

इतना ही नहीं की कब्ज से शरीर में सिर्फ सुस्ती छायी रहती है, पेट भारी रहता है, सिर दर्द होता है, खुश्की बनी रहती है, नींद ठीक नहीं आती, दिमाग उजड़ा रहता है, भूख कम हो जाती है पर कब्ज शरीर में इन लक्षणों को उत्पन्न करने के साथ ही अनेक रोग पैदा कर देती है। तभी तो कब्ज को सभी की नाभि कहते हैं। रॉक तो एक विकृति है कोई भी रोग क्यों ना हो, वह शरीर की विकृति का लक्षण मात्र है और कब्ज विकृति पैदा करने में सर्व समर्थ है। कैसे, सुनिए जानिए। आप जो भी कहते हैं उसके पचने एवं परिपक्व के बाद जो कूडा कचरा मेल बचता है उसका शरीर से समय पर बाहर ना निकल ले को ही कब्ज कहते हैं। वह सड़ने से बदबू पैदा होती है मल अधिक विकारक्षय बनता है। उसे गैस निकलती है गैस का स्वभाव ऊपर उठाना ,फैलाना। वह सारे शरीर में पहुंचने की कोशिश करती है और शरीर के अंग अंग में जाकर उनके स्वाभाविक कार्यों में बाधक होती है। जब यह भयंकर बाधा लग गई तो फिर अपना स्वाभाविक कार्य कैसे कर सकते हैं?

यही नहीं मल का स्थान आते हैं, और उसमें चूसने की विचित्र शक्ति है। पाचन के बाद जो बचा हुआ सामान इन हाथों में आता है वह तरल रूप में रहता है यानी उसमें पानी होता है। आंतों का कार्य इस पानी को जज्ब करना एवं बचे भागों को ऐसा ढीला रहने देना है कि उसे पर मलधारक की मांसपेशियां ठीक काम कर सकें। और उसे बाहर निकल सके। जब तक मल आंतों में पढ़ा रहता है वह नमी यूसवी है और मल सब सड़ जाता है। इस विधि से भी शरीर में जो विष आता है वह रक्त को विकृत करता है और रक्त संबंधित रोगों को जन्म देने के साथ-साथ शरीर के सभी अंगों के कार्यों को शिथिल करता है एवं उन्हें रोगी बनता है।

इस स्थिति को दूर करने के लिए दवा ली जाती है यह दवाएं अंदर जाकर क्या काम करती है? आप अंदाजा भी नहीं लगा सकते आप देखेंगे कि उन अंगों में दवा के पहुंचने ही उसमें जलन पैदा होगी और उनमें पानी भहाने लगेगा। यह दवाई अमाशय, छोटी आंत, बड़े आंतों और मलधारक का अंगों से गुजरती है तो वे इसमें पैदा हुई जलन के कारण पानी और लुघाव के कारण मल आंतों से निकल जाता है जिसे लोग कब्ज दूर होना कहते हैं। रोज-रोज दवा लेने रहने पर दावों का असर आंतों पर काम हो जाता है इस तरह दवा का असर धीरे-धीरे जाता रहता है फिर और तेज दवा ली जाती है और वह भी कुछ दिनों बाद असर खत्म पर तो भी लोग दवा लेते ही रहते हैं। उनकी सुंदर पैकिंग, लुभावनी शीशी उनका पीछा नहीं छोड़ती।

कब्ज रहना अस्वाभाविक है, कुदरत ने हमारी आंतों में यह बल दिया है कि वह मल को आसानी से दूर करते रहे पर वह यह कार्य तभी स्वाभाविक रूप से कर सकती हैं जब हम खादो को उनके स्वाभाविक रूप से ग्रहण करें। खाघों में फल, तरकारियां, आन और दूध भी आते हैं। पर हम इनमें से कितनों को इनके स्वाभाविक रूप से लेते हैं? हम फल और ऐसी तरकारियां जिन्हें स्वाभाविक रूप से बहुत सरलता से खाया जा सकता है, बहुत कम उपयोग करते हैं, या बिल्कुल नहीं करते। अनों की भूसी यानी आटे का चोकर, चावल का कन दूर कर देता है। दूध का पानी हम जलाकर या बिल्कुल निकाल कर कोई छेने के रूप में इस्तेमाल करते हैं या रसगुल्ला और मिठाई बनाकर खाते हैं।

गन्ने के रस को चीनी बनाकर खाते हैं मिर्च मसाले को जिनकी शरीर को आवश्यकता नहीं है लेकिन स्वाद के वशीभूत होकर खाते हैं। अतः यदि हम चाहते हैं की कब्ज न रहे तो इसका विचार शौचालय में नहीं भोजनालय में कीजिए। भोजन पर यह वह स्वादिष्ट होने के अलावा कब्ज कारक है यह कब्ज निवारक इस दृष्टि में भी सोचा आप सभी।

अब आप मेडा या महीना टेक की जगह चौकोर समेत मोटे आता खायेंगे, चावल बल समेत ही लेंगे आपका भोजन में फल तरकारियों की मात्रा से अन्न से दूने वजन भी होगी। दूध कच्चा है या एक तूफान का पीयेंगे लीजिए कब्ज की दवा हो गयी। यदि आपने यह पकड़ लिया तो अपने कब्ज की जड़ में कुहाराघात शुरू कर दिया।

यदि आपका कब्ज बहुत कठिन और पुराना है तो खीरा, ककड़ी, गाजर ,टमाटर, पालक, पत्ता गोभी को कच्चा ही इस्तेमाल कीजिए। डरिए नहीं, मैं आपको इन्हें किलो के हिसाब से खाने को नहीं कह रही हूं। 24 घंटे में केवल 300 ग्राम ले और सो भी केवल एक नहीं कईयो को मिला कर ले। किन्हीं दो तीन को छोटा-छोटा काट कर एवं मिलकर ऊपर से नींबू का रस नमक डालकर पर नमक कम। उनके विशिष्ट स्वाद की कल्पना आप इनका उपयोग किए बगैर नहीं कर सकते। केवट एक बार उपयोग करने के बाद इनका लाभ आपको याद आएगा आप दूसरों को भी लाभ के प्रति बताए बिना नहीं रह सकोगे।

विश्व युवा कौशल दिवस 15 जुलाई 2025-एआई और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण

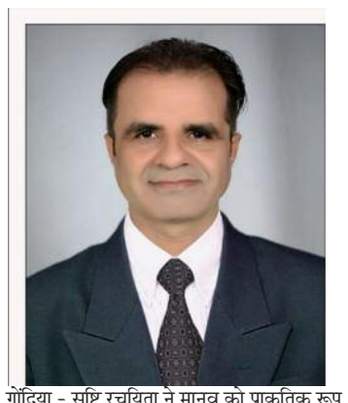

गोंदिया - सृष्टि रचयिता ने मानव को प्राकृतिक रूप से बौद्धिक क्षमता का अभूतपूर्व खजाना दिया है।बस! जरूरत है उसे पहचान कर निखारने की,जिसके बलपर सफलताओं की हदें पार की जा सकती है! मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि खास करके हर मानव में अपने अपने स्तरपर अलग-अलग कौशलता समाई हुई है, बस इसे पहचान कर उसका विकास करना है, जिसे हम कौशलता विकास दिवस के नाम से मनातें हैं।आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हम 15 जुलाई 2025 को विश्व युवा कौशलता दिवस मना रहे हैं, इसे 2014 से संयुक्त राष्ट्र ने 15 जुलाई को प्रतिवर्ष विश्व युवा कौशल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था, जिसे प्रथम बार 15 जुलाईं 2015 को मनाया गया था और हर साल नई थीम के साथ मनाया जाता है। वर्ष 2025 की थीम एआई और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण रखा गया है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से कौशलता विकास पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम विश्व युवा कौशल दिवस 2025 की करें तो, सामाजिक-आर्थिक सुधार की दिशा में ठोस प्रयास है जो जलवायु परिवर्तन, संघर्ष, निरंतर गरीबी, बढ़ती असमानता, तेजी से तकनीकी परिवर्तन, जनसांख्यिकीय संक्रमण और अन्य जैसी चुनौतियों से जुड़े हुए हैं।युवा महिलाओं औरलड़कियों, विकलांग युवाओं, गरीब परिवारों के युवाओं, ग्रामीण समुदायों, स्वदेशी लोगों और अल्पसंख्यक समूहों के साथ-साथ हिंसक संघर्ष और राजनीतिक अस्थिरता के परिणाम भुगतने वाले लोगों को कई कारकों के संयोजन के कारण बाहर रखा जाता है, इसके अलावा, संकट ने काम की दुनियाँ में पहले से ही कई बदलावों को तेज कर दिया है, जो उन कौशल और दक्षताओं के बारे में अनिश्चितता की परतें जोड़ते हैं जिससे हम कौशलता से ऐसा दक्ष हो जाते है कि हम नौकरी पाने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बन जाते है। संयुक्त राष्ट्र और इसकी एजेंसियां,जैसे कि यूनेस्को- यूएनईवीओसी, काम की दुनियाँ में पहुंची बाधाओं को कम करके इन चुनौतियों का समाधान करने में मदद करने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं, यह सुनिश्चित करते हुए प्राप्त कौशल को मान्यता प्राप्त और प्रमाणित किया जाता है, और बाहर के लिए कौशल विकास के अवसर प्रदान करता है। स्कूली युवा और जो रोजगार, शिक्षा या प्रशिक्षण (एनईईटी) में नहीं हैं 2030` एजेंडा के लिए कार्रवाई के इस दशक के दौरान, सकारात्मक परिवर्तन और नवाचार उत्पन्न करने के लिए वैश्विक प्रक्रियाओं में युवाओं की पूर्ण भागीदारी महत्वपूर्ण है।हमारे माननीय पीएम के ड्रीम प्रोजेक्टस में से एक है। भारत ने इसके लिए एक अलग से मंत्रालय का गठन किया है जो उचित प्रशिक्षण प्रदान करने, अच्छे काम रोजगार और उद्यमिता के लिए कौशलता प्रदान करने के महत्व पर जोर देता है और अनेक कार्यक्रमों का आयोजन कर कौशलता विकास के महत्व पर जन जागरण बहुत ही जोर शोर से करता है

साथियों बात अगर हम विश्व कौशलता दिवस 15 जुलाई 2025 के बारे में जानने की करें तो, थीम:2025 के लिए, विश्व युवा कौशल दिवस की थीम "एआई और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण" है। महत्व:यह दिन युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टीवीईटी) को बढ़ावा देने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के युग में प्रासंगिक कौशल प्रदान करने पर केंद्रित है।आयोजन:इस दिन, विभिन्न कार्यक्रम, कार्यशालाएं और संवाद आयोजित किए जाते हैं, जिनमें युवाओं को कौशल विकास, रोजगार और उद्यमिता के अवसरों के बारे में जानकारी दी जाती है।भागीदारी:शिक्षक, अभिभावक, मार्गदर्शक,प्रशिक्षण प्रदाता और अन्य सभी को यह सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है कि युवा आवश्यक कौशल प्राप्त करें। दिनांक 12 जुलाई 2025 को देर शाम माननीय उपराष्ट्रपति ने एक कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कौशल

का विकास के बारे में कहा भारतीय संविधान में 22 दृश्य चित्रणों में एक गुरुकुल की भी छवि है। हम हमेशा से ज्ञान के दान में विश्वास करते रहे हैं। कोचिंग सेंटरों को अपने बुनियादी ढांचे का उपयोग कौशल केंद्रों में बदलने के लिए करना चाहिए। मैं सिविल सोसाइटी और मेरे सामने और बाहर मौजूद जनप्रतिनिधियों से आग्रह करता हूँ कि वे इस बीमारी की गंभीरता को समझें। उन्हें शिक्षा में विवेकशीलता बहाल करने के लिए एकजुट होना होगा। हमें कौशल के लिए प्रबल प्रशिक्षण की सख़्त आवश्यकता है।

साथियों बात अगर हम युवा कौशलता के लिए भारत द्वारा उठाए गए कदमों की करें तो, युवाओं की स्किल डेवलेपमेंट के लिए उठाए गए कदम निम्नलिखित हैं, औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र (आईटीआई): वर्ष 1950 में परिकल्पित, का उद्देश्य भारत में मौजूदा दीर्घकालिक प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र का विस्तार और आधुनिकीकरण करना है। पीएम स्किल्स विकास योजना (पीएमकेवीवाई): 2015 में शुरू की गई, इसका उद्देश्य भारत के युवाओं को मुफ्त स्किल्स प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करना है। पीएम स्किल्स विकास योजना-यह भारत के युवाओं को 400 सेअधिक स्किल्स पाठ्यक्रम उपलब्ध कराकर रोजगार योग्य स्किल्स के साथ सशक्त बनाने के लिऐ 2021 की शुरूआत की गई है। पूर्व सीखने की मान्यता: इसे 2015 में व्यक्तियों द्वारा अर्जित पूर्व स्किल्स को पहचानने के लिए लॉन्च किया गया था। यह पीएमके वीवाई के प्रमुख घटकों में से एक है। इसके तहत एक निश्चित स्किल्स वाले या पूर्व सीखने के अनुभव वाले व्यक्तिको राष्ट्रीय स्किल्स योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के अनुसार ग्रेड के साथ आरपीएल के तहत मूल्यांकन और प्रमाणित किया जाता है। राष्ट्रीय कैरियर सेवा परियोजना: इसके साथ पंजीकृत नौकरी चाहने वालों के लिए अपनी राष्ट्रीय कैरियर सेवा (एनसीएस) परियोजना के माध्यम से मुफ्त ऑनलाइन कैरियर स्किल्स प्रशिक्षण प्रदान करने के लिऐ 2015 में शुरू की गई।कौशल प्रबंधन और प्रशिक्षण केंद्रों का प्रत्यायन (स्मार्ट): यह एकल खिड़की आईटी अनुप्रयोग प्रदान करता है जो स्किल्स पारिस्थितिकी तंत्र में प्रशिक्षण केंद्रों (टीसी) की मान्यता, ग्रेडिंग, संबद्धता और निरंतर निगरानी पर केंद्रित है।आजीविका के लिए स्किल्स अधिग्रहण और ज्ञान जागरूकता (संकल्प): इसका ध्यान अभिसरण और समन्वय के माध्यम से जिला-स्तरीय स्किल्स पारिस्थितिकी तंत्र पर है। यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है जिसे विश्व बैंक के साथ सहयोग किया गया है। औद्योगिक मूल्य वृद्धि के लिए स्किल्स सुदृढ़ीकरण: स्ट्राइव योजना आईटीआई और शिक्षुता के माध्यम से प्रदान किए जाने वाले स्किल्स प्रशिक्षण की प्रासंगिकता और दक्षता में सुधार लाने के उद्देश्य से विश्व बैंक की सहायता प्राप्त भारत सरकार की परियोजना है। पीएम युवा योजना (युवा उद्यमिता विकास अभियान): वर्ष 2016 में शुरू की गई, इसका उद्देश्य उद्यमिता शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से उद्यमिता विकास के लिए एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है; समर्थन और उद्यमिता समर्थन नेटवर्क तक आसान पहुंच और समावेशी विकास के लिए सामाजिक उद्यमों को बढ़ावा देना। यंग, अपकमिंग एंड वसेर्टाइल ऑथर्स (वाईयूवीए) योजना, युवा लेखकों को प्रशिक्षित करने के लिए एक मेंटरशिप प्रोग्राम है। कौशलाचार्य पुरस्कार: स्किल्स प्रशिक्षकों द्वारा किए गए योगदान को पहचानने और अधिक प्रशिक्षकों को स्किल्स भारत मिशन में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के लिए शुरू किया गया। शिक्षुता और स्किल्स में उच्च शिक्षा युवाओं के लिए योजना: यह योजना राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना के माध्यम से अप्रैले 2019 में बाहर निकलने वाले सामान्य स्नातकों को उद्योग शिक्षुता अवसर प्रदान करने के लिए है। आत्मानिभर कुशल कर्मचारी नियोक्ता मानचित्रण: 2020 में शुरू किया गया, यह कुशल लोगों को स्थायी आजीविका के अवसर खोजने में मदद करने के लिए एक पोर्टल है जनजातीय समुदाय के लिए विशेष पहल। गोइंग ऑनलाइन एज लीडर्स' - आदिवासी आबादी को कला और संस्कृति, हस्तशिल्प, कपड़ा और आदिवासी क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता जैसे क्षेत्रों में मदद कर रहा है जिससे जनजातीय आबादी के बीच एंटरप्रेन्योरशिप का विकास हो रहा है। इसी प्रकार वन धन योजना आदिवासी समाज को नए अवसरों से प्रभावी ढंग से जोड़ रही है।

साथियों बात अगर हम विश्व को चलता दिवस 15 जुलाई के इतिहास की करें तो,18 दिसंबरे 2014 को, संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने सर्वसम्मति से श्रीलंका के नेतृत्व में एक प्रस्ताव अपनाया, और 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस के रूप में घोषित किया। वैश्विक स्तर पर युवा कौशल विकास के महत्व को उजागर करने के लिए श्रीलंका ने जी 77 (77 देशों का समूह) और चीन की सहायता से इस संकल्प की शुरूआत की थी।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएगे कि विश्व युवा कौशल दिवस 15 जुलाई 2025-एआई और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरणकौशलता विकास एक संकट मोचक बौद्धिक अस्त्र है- कौशलता विकास परिवर्तन के वाहक युवाओं की समृद्धि के विकास का मूल मंत्र हैं कौशलता विकास,सामाजिक आर्थिक सुधारों,बढ़ती असमानता, बेरोजगारी जनसांख्यिकीय संक्रमण जैसे मुद्दों के समाधान में मील का पत्थर साबित होगा।

बाबा बैद्यनाथ : देवघर जेल में बनता है जिनका 'पुष्प नाग मुकुट'

(कुमार कृष्णन-विनायक फीचर्स)

द्वादश ज्योतिलिंगों में प्रतिष्ठित झारखंड के वैद्यनाथ मंदिर में सावन की शुरूआत के साथ ही हजारों कांवड़ यात्री देवघर पहुंचने लगे हैं। परंपराओं के अनुसार, देश भर से कांवड़ यात्री सावन के पवित्र महीने में यहां आकर भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। लेकिन जलाभिषेक के साथ एक और परंपरा भी है, जिसका निर्वहन मंदिर में ब्रिटिश काल से ही किया जाता है। देवघर के वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग में भगवान शिव को वर्षों से सायंकालीन श्रृंगार के समय एक विशेष मुकुट पहनाया जाता है। खास बात यह कि इस मुकुट का निर्माण वह लोग करते हैं जो संगीन अपराधों के दोषी बनकर यहां की जेल में बंद होते हैं।

कहा जाता है कि वर्षो पहले एक अंग्रेज जेलर था। उसके पुत्र की अचानक तबीयत बहुत खराब हो गई। उसकी हालत बिगड़ती देख लोगों ने जेलर को बाबा के मंदिर में 'नाग मुकुट' चढ़ाने की सलाह दी। जेलर ने लोगों के कहे अनुसार ऐसा ही किया और उसका पुत्र ठीक हो गया, तभी से यहां यह परंपरा बन गई।

इसके लिए जेल में भी पूरी शुद्धता और स्वच्छता से व्यवस्था की जाती है। जेल के अंदर इस मुकुट को तैयार करने के लिए एक विशेष कक्ष है, जिसे लोग 'बाबा कक्ष' कहते हैं। यहां पर एक शिवालय भी है। यहां

मुकुट बनाने के लिए कैदियों की दिलचस्पी देखते बनती है।

मुकुट बनाने के लिए कैदियों के समूह होते है।प्रतिदिन कैदियों को बाहर से फूल और बेलपत्र उपलब्ध करा दिया जाता है। कैदी उपवास रखकर बाबा कक्ष में नाग मुकुट का निर्माण करते हैं और वहां स्थित शिवालय में रख पूजा-अर्चना करते हैं। शाम को यह मुकुट जेल से बाहर निकाला जाता है और फिर जेल के बाहर बने शिवालय में मुकुट की पूजा होती है। इसके बाद जेलकर्मी इस नाग मुकुट को कंधे पर उठाकर 'बम भोले, बम भोले', 'बोलबम-बोलबम' बोलते हुआ इसे बाबा के मंदिर तक पहुंचाते है।

कैदी भी बाबा का कार्य खुशी-खुशी करते हैं। कैदियों का कहना है कि बाबा की इसी बहाने वह सेवा करते हैं, जिससे उन्हें काफी सुकून मिलता है।

शिवरात्रि को छोड़कर वर्ष के सभी दिन श्रृंगार पूजा के समय नाग मुकुट सजाया जाता है। शिवरात्रि के दिन भोले बाबा का विवाह होता है। इस कारण यह मुकुट बाबा बासुकीनाथ मंदिर भेज दिया जाता है।

आस्था और रिवाजों का यह अनोखा नजारा देवघर की जिला जेल में देखने को मिलता है। यह पुरानी परंपरा है।परंपरा के अनुसार, देवघर जेल के कैदी भगवान शिव के लिए फूलों से विशेष नाग मुकुट का निर्माण करते हैं। ब्रिटिश काल से ही हर रोज जेल के कैदियों द्वारा बनाया गया ये मुकुट मंदिर में श्रृंगार के लिए लाया जाता है और इसके लिए जेल से सिपाहियों को पैदल मंदिर तक मुकुट के साथ भेजा जाता है।

अपनी पत्नी की हत्या के जुर्म में जेल में निरुद्ध कैदी महेश मंडल (बदला हुआ नाम) कहते हैं वह हर रोज अपने 10 साथियों के साथ मिलकर इस मुकुट का निर्माण करते हैं। हर रोज जेल के गार्ड्स इस मुकुट के निर्माण के लिए फूलों को चुनने जाते हैं। फूलों के आने के बाद कैदी करीब 6 घंटे में इस विशेष मुकुट का निर्माण करते हैं, जिसके लिए जेल प्रशासन की ओर से उनमें से हर एक को 91 रुपये का पारिश्रमिक भी दिया जाता है।

सावन महीने की पूर्णिमा के दिन जेल के कैदी ऐसे दो मुकुटों का निर्माण करते हैं, जिसमें से एक दुमका के बासुकीनाथ धाम और दूसरा वैद्यनाथ मंदिर में भेजा जाता है। जेल अधीक्षक हीरा कुमार बताते हैं कि परंपराओं में ऐसी मान्यता है कि बाबा बासुकीनाथ, बाबा वैद्यनाथ से जल्दी अपना आशीर्वाद देते हैं। उन्होंने बताया कि साल में सिर्फ एक दिन शिवरात्रि को भगवान शिव के लिए नाग मुकुट नहीं बनाया जाता, क्योंकि ऐसी मान्यता है कि उस दिन भगवान शिव का विवाह हुआ था और वह उस रोज वह एक अलग तरह का मुकुट पहनते हैं। नाग मुकुट बनाने की शुरूआत के बारे में उन्होंने कहा कि उस साल कमिश्नर टेलर के बेटे की तबियत बहुत खराब हो गई थी। जब देश भर के डॉक्टरों ने बच्चे के इलाज से इनकार कर दिया तो एक साधु ने टेलर को वैद्यनाथ मंदिर में दर्शन करने की सलाह दी। दर्शन के बाद टेलर के बेटे की तबियत ठीक हो गई और इस एक घटना ने ना सिर्फ भारतीय बल्कि विदेशी श्रद्धालुओं को भी यहां की आस्था से जोड़ दिया।

देवताओं का घर -देवघर

झारखंड का वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग हिंदू धर्म का बेहद पवित्र स्थल है। जहां पर यह मंदिर स्थित है उस स्थान को 'देवघर' अर्थात देवताओं का घर कहते हैं। यह ज्योतिर्लिंग एक सिद्धपीठ है। कहा जाता है कि यहां पर आनेवाले भक्तों की सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इस कारण इस लिंग को 'कामना लिंग' भी कहा जाता हैं।

शुभमन गिल ने इंग्लैंड में बल्ले से मचाया कोहराम, राहुल द्रविड़ का पुराना रिकॉर्ड तोड़ डाला

लॉर्ड्स (एजेंसी)। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने 13 जुलाई को इंग्लैंड की धरती पर ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने पूर्व भारतीय क्रिकेटर राहुल द्रविड़ का 23 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त किया। गिल इंग्लैंड की धरती पर किसी टेस्ट सीरीज में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। लॉर्ड्स टेस्ट की दूसरी पारी में गिल ने 2 रन बनाने के साथ ही ये बड़ा मुकाम अपने नाम किया है।

वहीं शुभमन गिल के खिलाफ खेली जा रही टेस्ट सीरीज में 3 मैचों की 6 पारियों में अब तक कुल 603 रन बना लिए हैं। दरअसल, साल 2002 में राहुल द्रविड़ ने इंग्लैंड के खिलाफ 4 मैचों की सीरीज में 602 रन बनाए थे। इंग्लैंड में भारत के लिए टेस्ट सीरीज में द्रविड़ ही सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय थे, लेकिन अब शुभमन गिल ने केवल तीन मैचों की 6 पारियों में 603 रन बनाकर उन्हें पछाड़ दिया हैं।

लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में गिल सिर्फ 16 रन बना सके थे, लेकिन दूसरी पारी में 13वें ओवर की आखिरी गेंद पर दो रन लेकर उन्होंने द्रविड़ का 23 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

वहीं भारत के लिए टेस्ट सीरीज में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सुनील गावस्कर के नाम है, जिन्होंने 1978-79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 6 टेस्ट में 732 रन बनाए थे। गिल के पास अब कोहली और गावस्कर दोनों के रिकॉर्ड तोड़ने का बेहतरीन मौका है।

किंग कोहली ने बतौर कप्तान 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैच में 655 रन बनाए थे। वहीं साल 2017 में उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों में 610 रन बनाए थे।

बेन डकेट को आउट कर उग्र हुए सिराज, आईसीसी ने ठोका जुर्माना, एक डिमेरिट अंक भी जुड़ा

लॉर्ड्स(एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज पर लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान बेन डकेट को आउट करने के बाद उग्र होने के लिए मैच फीस का 15त्न जुर्माना लगाया है। सिराज को जुर्माने के अलावा एक और डिमेरिट अंक भी दिया गया है।

यह घटना मैच के चौथे दिन हुई थी जब उन्होंने दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज को आउट किया था। सिराज ने इंग्लिश बल्लेबाज को आउट करने के बाद आक्रामक अंदाज में विदाई दी जिसमें उनके चेहरे पर जोर से जश्न मनाना और आउट होने के बाद उनसे टकराना भी शामिल था।

सिराज को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान बल्लेबाज के आउट होने पर अपमानजनक भाषा, हरकतें या हाव-भाव का इस्तेमाल करने या बल्लेबाज को भड़काने से संबंधित है। सिराज को जुर्माने के अलावा एक और डिमेरिट अंक भी दिया गया है।

पिछले 24 महीनों में सिराज का यह दूसरा ऐसा अपराध था, जिसका मतलब है कि अब उनके रिकॉर्ड में 2 डिमेरिट अंक हैं। अगर 24 महीने की अवधि समाप्त होने से पहले उनके 4 डिमेरिट अंक हो जाते हैं तो उन पर स्वतः ही एक मैच का निलंबन लग जाएगा।

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वरुण आरोन को बड़ी जिम्मेदारी, इस आईपीएल टीम ने बनाया कोच

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज वरुण आरोन को सनराइजर्स हैदराबाद ने 2026 के आईपीएल सत्र के लिए सोमवार को अपना गेंदबाजी कोच नियुक्त किया। आरोन न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स फ्रैंकलिन की जगह लेंगे। सनराइजर्स ने अपने 'एक्स' पर लिखा, 'हमारे कोचिंग स्टाफ में एक शानदार इजाफा। वरुण आरोन का हमारे नए गेंदबाजी कोच के रूप में स्वागत है।'

आरोन ने 2011 और 2015 के बीच भारत के लिए नौ टेस्ट और उतने ही वनडे खेले थे। 35 साल के आरोन ने अपना आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच इसी साल पांच जनवरी को जयपुर में गोवा के खिलाफ झारखंड के लिए विजय हजारे ट्रॉफी का खेल था। झारखंड के इस 50 ओवर के घरेलू टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में पहुंचने में विफल रहने पर उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी थी। उन्होंने पिछले साल चेन्नई में एमआरएफ पेस फाउंडेशन में आस्ट्रेलिया के दिग्गज ग्लेन मैकग्राथ के साथ एक कोच के रूप में कुछ समय के लिए काम किया था।

आरोन करियर की शुरुआत में एक युवा तेज गेंदबाज के रूप में अपनी पहचान बनाई थी जो 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार को पार करने में सक्षम था। भारतीय क्रिकेट के शीर्ष अधिकारियों ने उस समय आरोन और उभरते हुए एक अन्य तेज गेंदबाज उमेश यादव पर बहुत अधिक ध्यान दिया था। उमेश ने देश के लिए 50 से अधिक टेस्ट खेले तो वहीं लगातार चोटिल होने के कारण आरोन का करियर परवान नहीं चढ़ सका। आरोन ने संन्यास के बाद टेलीविजन पर क्रिकेट विशेषज्ञ के तौर पर काम करना शुरू किया है।

एमआई न्यूयॉर्क ने दूसरी बार जीता मेजर लीग क्रिकेट का खिताब

डलास (एजेंसी)। एमआई न्यूयॉर्क ने सोमवार को वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ फाइनल मुकाबले में पांच रन से जीत दर्ज की। इसी के साथ एमआई ने दूसरी बार मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) का खिताब अपने नाम कर लिया।

एमआई न्यूयॉर्क ने साल 2023 में पहली बार एमएलसी की ट्रॉफी अपने नाम की थी, जिसके बाद अगले साल इस खिताब को वाशिंगटन फ्रीडम ने अपने नाम किया था। डलास में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी एमआई न्यूयॉर्क ने सात विकेट खोकर 180 रन बनाए। इस टीम को सलामी बल्लेबाजों ने शानदार शुरुआत दिलाई। मोनांक पटेल और क्विंटन डी कॉक ने 7.1 ओवरों में 72 रन जोड़े। मोनांक 22 गेंदों में 28 रन बनाकर पवेलियन लौटे। तजिंदर ढिल्लन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए, लेकिन 14 रन से ज्यादा नहीं बना सके।

यहां से क्विंटन डी कॉक ने कप्तान निकोलस पूरन के साथ तीसरे विकेट के लिए 56 रन जुटाए। पूरन ने 17 गेंदों में 21 रन की पारी खेली, जबकि क्विंटन डी कॉक ने 46 गेंदों में चार छक्कों और छह चौकों की मदद से 77 रन बनाए। विपक्षी टीम की ओर से लॉकी फर्ग्यूसन ने सर्वाधिक तीन विकेट झटके। उनके अलावा इयान हॉलैंड, जैक एडवर्ड्स, ग्लेन मैक्सवेल और सौरभ नेत्रावलकर ने एक-एक शिकार किया।

इसके जवाब में वाशिंगटन फ्रीडम की टीम निर्धारित ओवरों में 175/5 के स्कोर से आगे नहीं बढ़ सकी। टीम शुरुआती पांच गेंदों में अपने दो बल्लेबाजों का विकेट गंवा चुकी थी। इस समय तक फ्रीडम का खाता तक नहीं खुला था। यहां से रचिन रविंद्र ने जैक एडवर्ड्स के साथ तीसरे विकेट के लिए 84 रन जोड़े। एडवर्ड्स 22 गेंदों में 33 रन की पारी खेलकर आउट हुए। इसके बाद रचिन रविंद्र ने ग्लेन फिलिप्स के साथ चौथे विकेट के लिए 46 रन जुटाए। रविंद्र 41 गेंदों में दो छक्कों और आठ चौकों की मदद से 70 रन बनाकर आउट हुए।

ग्लेन फिलिप्स ने टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने की कोशिश जरूर की, लेकिन जीत नहीं दिला सके। फिलिप्स 34 गेंदों में 48 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी इस पारी में पांच छक्के शामिल थे। एमआई न्यूयॉर्क की ओर से ट्रेंट बोल्ट और रशिल उगरकर को दो-दो विकेट हाथ लगे, जबकि नोस्टुश केंजीगे ने एक शिकार किया।

कुदेरमेतोवा और मेर्टेंस महिला युगल चैंपियन

लंदन। वेरोनिका कुदेरमेतोवा और एलिसे मेर्टेंस की जोड़ी ने महिला युगल के फाइनल में सु-वेई सीह और येलेना ओस्टापेंको को 3-6, 6-2, 6-4 से शिकस्त देकर खिताब पर कब्जा कर लिया। कुदेरमेतोवा पहली बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन बनी हैं जबकि मेर्टेंस का यह पांचवां ग्रैंड स्लैम और दूसरा विम्बलडन युगल खिताब है। कुदेरमेतोवा और मेर्टेंस 2021 के फाइनल में एक-दूसरे के खिलाफ थीं, लेकिन इस साल विम्बलडन में पहली बार एक साथ खेल रही थीं। यह जोड़ी तीसरे सेट में 2-4 से पीछे थी लेकिन शानदार वापसी करते हुए अंतिम चार गेम को भुना कर खिताब जीतने में सफल रही। सु-वेई ने तीन अलग-अलग जोड़ीदारों के साथ चार बार विम्बलडन युगल खिताब जीता है। कुदेरमेतोवा ने कहा, मैं वह (2021) फाइनल हार गई थी और वह बहुत निराशाजनक था। आज मैंने खुद से कहा था कि मुझे यह खिताब चाहिए, और अब यह मेरा है।

डब्यूपीएल से महिला क्रिकेट को मिली कई प्रतिभाएं : कोच मजूमदार

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कोच अमोल मजूमदार ने कहा है कि महिला प्रीमियर लीग (डब्यूपीएल) के अनुभवों के कारण ही इस बार भारतीय टीम इंग्लैंड में टी20 सीरीज जीतने में सफल रही है। उन्होंने कहा, 'डब्यूपीएल से टीम को कई प्रतिभाएं मिली हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है पर भारत में और भी टूर्नामेंट हैं जिन पर हमारी नजरें है। बहुत सारे घरेलू खिलाड़ी भी इनमें खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, 'डब्यूपीएल बीसीसीआई की पहल का एक हिस्सा मात्र है। इसलिए मुझे लगता है कि डब्ल्यूपीएल हमारे लिए एक सुखद अनुभव रहा है। लेकिन साथ ही ऐसे अन्य टूर्नामेंट भी हैं जो महत्वपूर्ण हैं। भारत की पदार्पण करने वाली बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने 10 विकेट लेकर श्रृंखला जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और वह भी डब्ल्यूपीएल से ही निकलकर भारतीय टीम में पहुंची हैं। अमोल ने कहा, 'मुझे लगता है, आप जानते हैं, डब्ल्यूपीएल से हमने उन्हें पहचाना और फिर मुझे लगता है कि उनकी प्रगति शानदार रही है। हम एक बाएं हाथ की स्पिनर की तलाश में थे और वह इस काम के लिए बिल्कुल सही रही हैं। मजूमदार ने कहा कि इस सीरीज में सबसे विशेष बात भारत की सटीक गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण रहा जिसने पहले से ही मजबूत बल्लेबाजी क्रम का अच्छा साथ निभाया।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि सबसे अहम बात हमारी गेंदबाजी थी। इसमें कोई संदे नहीं है। भारत से रवाना होने से पहले हमारे पास एक रणनीति थी। हमारा शिविर अच्छा था और हमने अपनी गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण पर काफी ध्यान दिया जिसका प्रभाव इस सीरीज में दिखा। मुझे लगता है कि सबसे बड़ी उपलब्धि हमारी गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण रहे। राधा यादव की गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण ने भी श्रृंखला के दौरान ध्यान आकर्षित किया और मजूमदार ने कहा कि यह सुधार इस बाएं हाथ की स्पिनर द्वारा घरेलू स्तर पर किए गए प्रयासों का परिणाम है।

श्री चरणी टी20 ने की राधा के रिकार्ड की बराबरी

एजबेस्टन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उभरती हुई स्पिनर श्री चरणी ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है। श्री चरणी ने इसी सीरीज में अपने टी20 करियर की शुरुआत करते हुए सीरीज के पांच मैचों में 14.8 की औसत के साथ 10 विकेट लिए हैं। इसी के साथ श्री चरणी टी20 सीरीज में सबसे अधिक विकेट लेने वाली भारतीय महिला खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से पहले पायदान पर पहुंच गई हैं। श्री चरणी के अलावा राधा यादव के नाम भी एक ही टी20 सीरीज में 10 विकेट लेने का रिकार्ड है। राधा ने साल 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ ये उपलब्धि हासिल की थी। इस सूची में श्री चरणी और राधा यादव के बाद दीप्ति शर्मा है। दीप्ति ने इंग्लैंड के खिलाफ इसी सीरीज में 9 विकेट लिए हैं। श्री चरणी ने इससे पहले एकदिवसीय प्रारूप में के पांच मैचों में छह विकेट लिए हैं। श्री चरणी ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में 12 रन देकर चार विकेट और अगले तीन मैचों में दो-दो शिकार किए। हालांकि, अंतिम मैच में उन्हें कोई विकेट हाथ नहीं मिला। इस सीरीज को टीम इंडिया ने 3-2 से जीता ओर इस दौरान पूरी सीरीज में भारतीय खिलाड़ी छायी रही। अंतिम मैच में भ मेजबान टीम को अंतिम गेंद पर ही जीत मिली।

पीएसजी को हराकर चेल्सी ने जीता फीफा क्लब विश्वकप का खिताब

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। फ्रेंच क्लब पेरिस सेंट जर्मेन यानी पीएसजी के फीफा क्लब वर्ल्ड कप जीतने का सपना टूट गया है। इस सीजन पीएसजी ने सभी चार ट्रॉफी अपने नाम की थी लेकिन यहां चेल्सी भारी पड़ गई। मेटलाइफ स्टेडियम पर खेले गए खिताबी मुकाबले में चेल्सी ने पीएसजी को 3-0 से हराया। चेल्सी की यह दूसरी क्लब विश्व कप ट्रॉफी है। इससे पहले टीम ने 2021 में भी खिताब अपने नाम किया था। इस बार यह टूर्नामेंट अलग फॉर्मेट में आयोजित किया गया था। इसमें 32 टीमों ने हिस्सा लिया और इसकी शुरुआत 14 जून को हुई थी। 2023 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट में पिछले साल तक 8 टीमें ही हिस्सा लेती हैं।

कोल पाल्मर जीत के हीरो रहे

चेल्सी के लिए कोल पाल्मर ने दो गोल किए। 22वें मिनट में पाल्मर ने पहला गोल दागा। इसके 8 मिनट बाद उन्होंने टीम की तरफ से दूसरा गोल कर दिया। 30वें मिनट तक चेल्सी की बढ़त 2-0 की हो गई थी। पहले हाफ के अंत में चेल्सी ने तीसरा गोल भी कर दिया। जोआओ पेड्रो के गोल की मदद से चेल्सी की जीत पहले हाफ में ही पक्की हो गई थी। पीएसजी की टीम पूरे मुकाबले में कोई भी गोल नहीं कर पाई।

डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रॉफी दी

पीएसजी का इस सीजन शानदार प्रदर्शन रहा। क्लब ने फ्रेंच लीग, फ्रेंच कप और फ्रेंच सुपर कप की ट्रॉफी जीती थी। फिर इतिहास में पहली बार चैंपियंस लीग का खिताब भी जीता। लेकिन सीजन की 5वीं ट्रॉफी जीतने का सपना चेल्सी ने तोड़ दिया। चेल्सी हालिया प्रीमियर लीग में चौथे स्थान पर रही थी। यह मुकाबला 81,118 दर्शकों की मौजूदगी में खेला गया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल थे। ट्रंप ने पोडियम पर जाकर विजेता टीम को ट्रॉफी दी।

चेल्सी के युवा खिलाड़ी कोल पाल्मर को गोल्डन बॉल दिया है। यह अवॉर्ड टूर्नामेंट के बेस्ट खिलाड़ी को दिया जाता है। इस टूर्नामेंट में पाल्मर ने तीन गोल करने के साथ ही दो असिस्ट भी किए। चेल्सी के गोलकीपर रॉबर्ट सांचेज को गोल्डन ग्लव पुरस्कार मिला और 20 वर्षीय पीएसजी फॉरवर्ड डेसिरे डूए को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी चुना गया।

साइना नेहवाल अपने पति कश्यप परुपल्ली से होंगी अलग, सोशल मीडिया पर शेयर की भावुक पोस्ट

नई दिल्ली । भारतीय बैडमिंटन आइकन साइना नेहवाल ने पति और साथी शटलर कश्यप परुपल्ली से अलग होने की घोषणा की है। यह जोड़ा, जो एक दशक से अधिक समय से साथ है और 2018 में शादी के बंधन में बंधा था। साइना ने रविवार को इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक भावुक बयान के माध्यम से अलग होने के अपने फैसले की पुष्टि की। साइना ने कहा, 'जीवन हमें कभी-कभी अलग दिशाओं में ले जाता है। बहुत सोचने और विचार करने के बाद कश्यप परुपल्ली और मैंने अलग होने का फैसला किया है। हम अपने और एक-दूसरे के लिए शांति, विकास और उपचार का चयन कर रहे हैं। मैं यादों के लिए आभारी हूं और आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं देती हूं।' साइना और कश्यप भारत की सबसे प्रमुख बैडमिंटन हस्तियों में से हैं जिन्हें अक्सर टूर्नामेंटों में एक-दूसरे का समर्थन करते और पेशेवर उपलब्धियों का जश्न साथ मिलकर मनाते देखा गया है। अलगाव का कारण निजी है, साइना के संदेश में आपसी सम्मान और सकारात्मक रूप से आगे बढ़ने के साझा इरादे पर जोर दिया गया है। इस पोस्ट को प्रशंसकों, साथी एथलीटों और शुभचिंतकों का भरपूर समर्थन मिला, जिनमें से कई ने स्थिति को संभालने में दोनों की शालीनता और परिपक्वता की प्रशंसा की। पूर्व विश्व नंबर एक और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल खेलों में भारतीय महिलाओं के लिए एक पथप्रदर्शक रही हैं। कश्यप पारुपल्ली का भी एक विशिष्ट करियर रहा है उन्होंने ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों सहित कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। अलग-अलग निजी यात्राओं पर निकल पड़े साइना और कश्यप दोनों ही बैडमिंटन समुदाय और उसके बाहर अपार सम्मान अर्जित करते हैं।

लिवरपूल ने प्री-सीजन की शुरुआत प्रेस्टन पर 3-1 की जीत के साथ की, जोटा-सिल्वा को दी गई श्रद्धांजलि

लिवरपूल, 14 जुलाई (वेब वार्ता)। लिवरपूल ने अपने 2025-26 प्री-सीजन की शुरुआत डीपडेल में प्रेस्टन नॉर्थ एंड पर 3-1 से जीत के साथ की। यह जीत लिवरपूल के लिए बेहद भावनात्मक थी। लिवरपूल के खिलाड़ी डिओगो जोटा की पिछले सप्ताह स्पेन में एक कार दुर्घटना में मौत हो गई थी। हादसे में जोटा के भाई आंद्रे सिल्वा की भी मौत हो गई थी। मैच शुरू होने से पहले, स्टेडियम का माहौल बेहद भावुक था। प्रेस्टन और लिवरपूल के खिलाड़ियों ने प्रशंसकों के सामने एक मिनट का मौन रखा और जोटा के लिए पुष्पांजलि अर्पित की। मैच से पहले 'यू विल नेवर वॉक अलोन' का भावपूर्ण लाइव प्रदर्शन हुआ। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने बांह पर काली पट्टी बांध रखी थी। 20वें मिनट में, जब दोनों भाइयों की तस्वीर दिखाई गई, तो पूरा स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट से भर गया। जोटा के लिए भावुक गीत भी गाया गया। डिओगो और आंद्रे को दी जाने वाली श्रद्धांजलि यहीं नहीं रुकी। लिवरपूल के डार्विन नुनेज ने दूसरे हाफ में जोटा के प्रतिष्ठित गोल सेलिब्रेशन की नकल करके अपने गोल का जश्न मनाया, जबकि कोडी गाकपो ने बाद में जोटा की शर्ट नंबर - 20 का इशारा करते हुए अपने गोल का जश्न मनाया, जिससे प्रशंसक खुशी से झूम उठे। मैदान पर, रेडस ने शानदार प्रदर्शन किया। कॉनर ब्रैडली ने पहले हाफ के आखिर में स्कोरिंग की शुरुआत की, जिसमें किशोर रियो न्गुमोहा और फेडेरिको चिएसा ने भी मदद की। ब्रेक के बाद नुनेज ने रक्षात्मक गलती का फायदा उठाकर बढ़त दोगुनी कर दी और गैकपो ने अंतिम मिनटों में प्रेस्टन के लियाम लिंडसे द्वारा एक शक्तिशाली हेडर से गोल करने के बाद तीसरा गोल दागा।

नीरज सहित कई एथलीट विश्व चैंपियनशिप से पहले यूरोप और अमेरिका में अभ्यास करेंगे

नई दिल्ली । विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए विदेश में प्रशिक्षण की सुविधा मिलेगी। इसका खर्च खेल मंत्रालय उठाएगा। इसी के तहत ही भारतीय खिलाड़ी सितंबर में होने वाले विश्व चैंपियनशिप से पहले यूरोप और अमेरिका में अभ्यास करेंगे। एथलेटिक्स के सबसे अधिक खिलाड़ियों को विदेश में प्रशिक्षण की सुविधा मिलेगी। एक बैठक में एथलेटिक्स के लिए 86 लाख रुपये के प्रशिक्षण और प्रतियोगिता प्रस्तावों को मंजूरी दी गयी है। इस राशि का एक बड़ा हिस्सा उन खिलाड़ियों के लिए निर्धारित किया गया है जिन्होंने 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में होने वाली प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया है। भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के नाम विश्व चैंपियनशिप के दो पदक है और 27 साल का यह खिलाड़ी एक बार फिर से भारत के लिए पदक की सबसे बड़ी उम्मीद होगा। वह 57 दिनों के लिए प्राग और चेक गणराज्य के निम्बार्क में प्रशिक्षण लेंगे। चोपड़ा ने 2022 में रजत और 2023 में स्वर्ण पदक जीता था। वहीं स्टीपलचेज खिलाड़ी अविनाश साबले, पारुल चौधरी और लंबी दूरी के धावक गुलबीर सिंह 15 जुलाई से तीन सितंबर तक कोलोराडो स्प्रिंग्स, लॉस एंजिल्स में प्रशिक्षण लेंगे। सरकार ने तीनों के प्रशिक्षण खर्च के लिए 41.29 लाख रुपये मंजूर किए हैं।

यानिक सिनर ने पहला विम्बलडन खिताब जीता, दो बार के गत चैंपियन अल्काराज को हराया

लंदन (एजेंसी)। शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी यानिक सिनर ने रविवार को यहां पुरुष एकल के फाइनल में दो बार के गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज को 4-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर पहला विम्बलडन और चौथा ग्रैंडस्लैल खिताब जीता। इस तरह इटली के खिलाड़ी सिनर ने पांच हफ्ते पहले हुए फ्रेंच ओपन के ऐतिहासिक फाइनल के नतीजे को भी बदल दिया। अब सिनर दूसरी रैंकिंग पर काबिज स्पेनिश खिलाड़ी अल्काराज से कुल ग्रैंडस्लैम खिताब से एक कदम दूर हैं।

इस जीत से सिनर ने 22 वर्षीय अल्काराज के लगातार खिताब जीतने के सिलसिले को भी तोड़ दिया। अल्काराज ने सिनर के खिलाफ पिछले पांच मुकाबले जीते थे जिसमें हालिया जीत आठ जून को रोलां गैरां में लगभग साढ़े पांच घंटे तक चली पांच सेटों की भिड़ंत में आई थी। सिनर ने उस मैच में दो सेट की बढ़त बना ली थी लेकिन जीत हासिल नहीं कर सके। इससे अल्काराज का मेजर फाइनल में स्कोर 5-0 हो गया था।

सिनर ने ऑल इंग्लैंड क्लब में ऐसे मैच में अपनी छाप छोड़ी जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया। हालांकि बीच-बीच में चूक भी हुई। अल्काराज ने सेंटर कोर्ट में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 24 मैच की जीत के साथ उतरे थे। उन्होंने ऑल इंग्लैंड क्लब में लगातार 20 मैच जीते थे जिसमें 2023 और 2024 के फाइनल में नोवाक जोकोविच के खिलाफ जीत भी शामिल है।

विंबलडन में पिछली बार अल्काराज को हराने वाले खिलाड़ी सिनर हैं जिन्होंने 2022 में चौथे दौर में उन्हें शिकस्त दी थी। यह सिनर के लिए एक यादगार जीत साबित हुई जिसने उनकी उस बात को साबित कर दिया कि पेरिस में हारने का कोई असर नहीं होगा। हालांकि यह कल्पना करना मुश्किल है कि रविवार को उस हार का जरा भी ख्याल उनके दिमाग में नहीं था, विशेषकर जब तब चौथे सेट में 4-3, 15-40 के स्कोर पर सर्विस करते हुए उन्हें दो ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा। लेकिन सिनर ने शांति से अगले चार प्वाइंट अपने नाम कर जीत हासिल कर ली।

जब सेट खत्म हुआ तो सिनर ने दोनों हाथ अपनी सफेद टोपी पर रख लिए। नेट पर अल्काराज को गले लगाने के बाद सिनर सिर झुकाकर कोर्ट पर झुक गए और फिर अपनी दाहिनी हथेली घास पर रख दी। सिनर ने फ्रेंच ओपन की हार को सच में पीछे छोड़ दिया और दिखा दिया कि अल्काराज के साथ उनका मुकाबला आने वाले वर्षों तक टेनिस प्रशंसकों को खुश कर सकता है।

दिलचस्प बात है कि पिछली सात ग्रैंड स्लैम ट्रॉफियों को दोनों ने आपस में बांटा है जिसमें पिछली 12 में से नौ ट्रॉफियां शामिल हैं। संयोग से यह पहली बार है जब दो पुरुष खिलाड़ियों ने एक ही वर्ष में रोलां गैरां के क्ले कोर्ट और ऑल इंग्लैंड क्लब के ग्रास कोर्ट पर खिताबी मुकाबले खेले। इससे पहले रोजर फेडरर और राफेल नडाल ने 2006, 2007 और 2008 में ऐसा किया था। सिनर ने पिछले चार मेजर फाइनल में से प्रत्येक में भाग लिया है और यह सिलसिला पिछले सितंबर में अमेरिकी ओपन में जीत के साथ शुरू हुआ और उसके बाद उन्होंने इस जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन में एक और जीत हासिल की। अपनी दाहिनी कोहनी की सुरक्षा के लिए सफेद टेप और सफेद बांह की आस्तीन पहने हुए सिनर को कोई परेशानी नहीं हुई। उन्होंने सेमीफाइनल में 24 बार के मेजर चैंपियन नोवाक जोकोविच को बाहर करते समय भी कोई भी परेशानी महसूस नहीं की थी।

तन्वी द ग्रेट देखकर इमोशनल हुए अक्षय कुमार

एक्टर-डायरेक्टर अनुपम खेर की फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' थिएटर में रिलीज को तैयार है। अक्षय कुमार ने बुधवार को फिल्म देखी और अपने अनुभव को सोशल मीडिया पर शेयर किया। फिल्म देखने के बाद इमोशनल हुए एक्टर ने कहा कि कहानी शानदार है और इसने रुलाकर रख दिया। अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर लिखा कि यह फिल्म उनके दिल को छू गई। उन्होंने फिल्म को भावनात्मक और प्रेरणादायक बताया।

फिल्म का ट्रेलर शेयर करते हुए अक्षय ने अनुपम और उनकी टीम की तारीफ की। एक्टर ने कैप्शन में लिखा, तन्वी देखने में थोड़ी देर हुई, लेकिन खुशी है कि मैंने यह फिल्म देखी। तन्वी द ग्रेट एक ऐसी कहानी है, जिसने मुझे भावुक कर दिया और मैं तन्वी के लिए दिल से प्रार्थना करता हूं। मेरे दोस्त अनुपम खेर और पूरी टीम को ढेर सारी शुभकामनाएं। बड़े पर्दे पर इसे देखने का इंतजार है। इससे पहले अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, कंगना रनौत और अनिल कपूर जैसे सितारों ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर फिल्म की प्रशंसा की थी।

शाहरुख ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स हैंडल पर लिखा, मेरे दोस्त अनुपम खेर, रिस्क लेने से पीछे नहीं हटते। तन्वी द ग्रेट का ट्रेलर शानदार है। इस सफर के लिए शुभकामनाएं। 'तन्वी द ग्रेट' अनुपम खेर के निर्देशन में बनी फिल्म है, जो 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। इस फिल्म के साथ लीड एक्ट्रेस शुभांगी एक्टिंग में डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म में एक्टर जैकी श्रॉफ, अरविंद स्वामी, बोमन ईरानी, पल्लवी जोशी, करण टैकर और नासिर जैसे एक्टर्स महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। अनुपम खेर भी फिल्म में स्पेशल रोल में हैं। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर के एक्सेल एंटरटेनमेंट बैनर तले बनी यह फिल्म एक ऐसी लड़की की कहानी है, जो ऑटिज्म से जूझते हुए भारतीय सेना में शामिल होने का सपना देखती है।

लगातार तीन फ्लॉप, अब 'मालिक' से हैं उम्मीदें; क्या बच पाएगा मानुषी का करियर

राजकुमार राव की फिल्म 'मालिक' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर माहौल तो काफी बना था, लेकिन पहले दिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर वैसा कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई। क्रिटिक्स ने भी फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया ही दी। फिल्म में पहली बार राजकुमार राव एक अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। वो फिल्म में एक गैंगस्टर का रोल निभा रहे हैं। ये फिल्म राजकुमार राव के लिए तो अहम है ही, लेकिन उनसे भी ज्यादा इस फिल्म की सफलता अभिनेत्री मानुषी छिल्लर के लिए जरूरी है। क्योंकि ये मानुषी छिल्लर की चौथी फिल्म है और अभिनेत्री को अभी भी अपने करियर की पहली हिट फिल्म की जरूरत है।

साल 2022 में मानुषी छिल्लर ने बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया। मानुषी ने अपने डेब्यू के लिए एक दम परफेक्ट फिल्म और बैनर चुना था। उनकी पहली फिल्म अक्षय कुमार के साथ 'सम्राट पृथ्वीराज' थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी और मानुषी का एक सफल डेब्यू का सपना अधूरा रह गया। इसके बाद मानुषी छिल्लर विक्की कौशल के साथ फिल्म 'द ग्रेट इंडियन फैमिली' में नजर आईं। यह फिल्म भी यशराज के बैनर तले ही बनी थी। यह फिल्म कब आई और कब चली गई किसी को पता भी नहीं चला। दो बैक टू बैक फ्लॉप के बाद मानुषी के हाथ एक बार फिर से बड़े बजट की फिल्म लगी। इस बार फिर उनके साथ फिल्म में अक्षय कुमार थे। इस बार साथ में एक्शन हीरो टाइगर श्रॉफ भी थे और एक बड़ी स्टारकास्ट थी। इस फिल्म को लेकर काफी बज क्रिएट किया गया था। लेकिन जब फिल्म बॉक्स ऑफिस पर आई तो धड़ाम हो गई। इस तरह से मानुषी छिल्लर के खाते में लगातार तीसरी बड़ी फ्लॉप आई।

'मालिक' बचा पाएगी मानुषी का डूबता करियर?

लगातार तीन बड़े बजट और प्रोडक्शन हाउस की फिल्में, जिनमें स्टार्स भी बड़े-बड़े थे। वो मिलने के बाद भी मानुषी छिल्लर को एक हिट अभी तक नहीं मिली है। यही कारण है कि डेब्यू को तीन साल हो गए हैं और मानुषी की सिर्फ तीन ही फिल्में आई हैं। तीनों ही बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई हैं। ऐसे में अब मानुषी के करियर के लिए राजकुमार राव की 'मालिक' का चलना बहुत जरूरी है। हालांकि, मालिक में मानुषी का किरदार छोटा है और स्क्रीन स्पेस भी इसी वजह से कम है। लेकिन वो कहते हैं न कि डूबते को एक तिनके का सहारा होता है। ऐसे में मानुषी के लिए मालिक का सफल होना ही जरूरी है, भले ही उसमें रोल उनका कितना भी हो। हालांकि, पहले दिन की कमाई को देखते हुए 'मालिक' के भी बड़ी हिट बनने की उम्मीद कम ही है।

श्री श्री रविशंकर की बायोपिक के लिए खास तैयारी कर रहे विक्रांत

अभिनेता विक्रांत मैसी जल्द ही आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर की जिंदगी पर आधारित फिल्म 'व्हाइट' में नजर आने वाले हैं। इसी बीच इस फिल्म से जुड़ी कुछ अहम जानकारियां अमर उजाला के हाथ लगी हैं। जानते हैं क्या हैं वो नई जानकारियां।

कोलंबिया में होगी अधिकांश शूटिंग

आज ही रिलीज हुई अपनी फिल्म आंखों की गुस्ताखियां के बाद अब विक्रांत मैसी अपनी अगली फिल्म 'व्हाइट' की शूटिंग में व्यस्त हो गए हैं। ये फिल्म आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर की जिंदगी पर आधारित है। फिल्म की लगभग 90 प्रतिशत शूटिंग दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया में की जाएगी।

कोलंबिया पर ही आधारित होगी कहानी

फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया, 'यह फिल्म सिर्फ एक बायोपिक नहीं है, बल्कि यह उस ऐतिहासिक घटना पर आधारित है जब श्री श्री रविशंकर ने कोलंबिया में चल रहे 52 साल पुराने संघर्ष को शांति से खत्म करने में मदद की थी। चूंकि ये सभी घटनाएं कोलंबिया की धरती पर घटी थीं, इसलिए उनकी सच्चाई को बनाए रखने के लिए ज्यादातर शूटिंग वहीं होगी।'

किरदार में ढलने के लिए विक्रांत ने कैसे की तैयारी

विक्रांत ने इस किरदार की तैयारी के लिए हाल ही में बेंगलुरु स्थित 'आर्ट ऑफ लिविंग' आश्रम का दौरा किया था। यहां उन्होंने श्री श्री रविशंकर द्वारा शुरू किया गया 'हैप्पीनेस प्रोग्राम' भी अटैंड किया। विक्रांत ने वहां ध्यान, प्राणायाम और साधना के जरिए श्री श्री रविशंकर की एनर्जी और विचारधारा को महसूस करने की कोशिश की, ताकि फिल्म में उनकी मौजूदगी सिर्फ दिखावटी न लगे।

कुछ यूं किरदार की तैयारी कर रहे विक्रांत

फिल्म में श्री श्री की भूमिका निभाने के लिए विक्रांत ने अपने बाल और दाढ़ी बढ़ाई है। इसके साथ ही विक्रांत, श्री श्री रविशंकर के बोलने के ढंग, मुस्कान, चलने और बैठने के तरीके को भी बारीकी से आत्मसात कर रहे हैं। एक्टर लगातार श्री श्री रविशंकर के वीडियो, भाषण और इंटरव्यू देख रहे हैं। इसके जरिए वे श्री श्री के व्यवहार और शारीरिक भाषा को भी बारीकी से समझने की कोशिश कर रहे हैं।

अगस्त में कोलंबिया रवाना होंगे विक्रांत

विक्रांत पिछले कुछ दिनों से अपनी फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' के प्रमोशन में जुटे हुए थे। अब वे कुछ समय अपने परिवार (पत्नी शीतल और बेटे वर्दान) के साथ बिताएंगे। इसके बाद अगस्त 2025 में वे इस फिल्म की शूटिंग के लिए कोलंबिया रवाना होंगे।

नए अंदाज में रिलीज होगी बाहुबली, एसएस राजामौली ने की घोषणा

साउथ की ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बाहुबली द बिगनिंग को आज 10 साल पूरे हो गए हैं। प्रभास स्टारर इस फिल्म को 10 जुलाई 2015 को रिलीज किया गया था। फिल्म ने वर्ल्डवाइड शानदार कमाई की थी और सबसे सक्सेसफुल फिल्मों में अपना नाम दर्ज कराया। आज जब फिल्म को 10 साल पूरे हो गए हैं तो मेकर्स ने ऑडियंस को एक और तोहफा देने का ऐलान कर दिया है। दरअसल बाहुबली फिल्म के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल से इस बात का ऐलान किया गया है कि बाहुबली के पहले और दूसरे पार्ट को एक साथ सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। बाहुबली मूवी ने लिखा है- 10 साल पहले, एक सवाल ने पूरे देश को एकजुट कर दिया था...अब वही सवाल और उसका जवाब लौट रहे हैं — एक भव्य महाकाव्य में साथ-साथ। बाहुबली द एपिक पूरी दुनिया में 31 अक्टूबर 2025 को रिलीज हो रही है। बाहुबली - द एपिक' दरअसल पहली और दूसरी फिल्म को मिलाकर दिखाए जाने वाला एक वर्जन होगा। इस फिल्म के जरिए मेकर्स एक बार फिर बाहुबली की यादों को पर्दे पर ताजा करना चाहते हैं। फिल्म के डायरेक्टर एस एस राजामौली ने इस मौके पर सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट शेयर की जिसमें उन्होंने लिखा, बाहुबली... कई यात्राओं की शुरुआत, अनगिनत यादें और अंतहीन प्रेरणा। 10 साल पूरे हो चुके हैं और इसे यादगार बनाने के लिए आ रही है बाहुबली द एपिक!

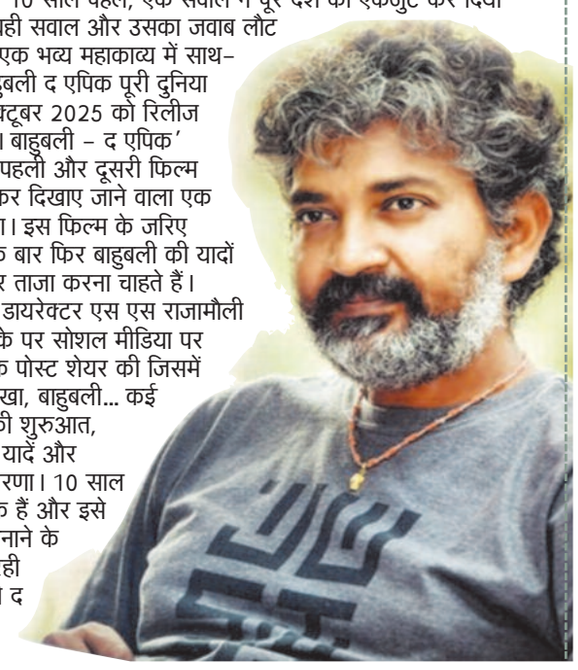

बैटल ऑफ गलवां में चित्रांगदा की एंट्री

सलमान खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवां को लेकर सुर्खियों में हैं। अब फिल्म को लेकर एक नई अपडेट सामने आई है। फिल्म में अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह की एंट्री हो गई है। चित्रांगदा फिल्म में लीड एक्ट्रेस की भूमिका निभाएंगी। वहीं सलमान इस फिल्म के लिए खूब मेहनत कर रहे हैं। फिल्म में सलमान खान सोल्जर का किरदार निभाने के लिए अपने ऊपर काफी मेहनत कर रहे हैं। इंडिया टुडे के मुताबिक सलमान खान ने एक सोल्जर के किरदार में ढलने के लिए एक निजी ट्रेनर रखा है।

सलमान के विपरीत होंगी चित्रांगदा सिंह

हाल ही में फिल्म के मेकर्स ने एलान किया कि फिल्म में सलमान खान के विपरीत चित्रांगदा सिंह होंगी। फिल्म के निर्देशक अपूर्व लाखिया ने जानकारी दी हम बैटल ऑफ गलवां की कास्ट में चित्रांगदा सिंह का स्वागत करते हुए बेहद उत्साहित हैं। उनका स्त्री रूप सलमान सर के गंभीर लेकिन शांत व्यक्तित्व से पूरी तरह मेल खाता है।

जंक फूड और ड्रिंक्स छोड़ी

सलमान खान के वर्कआउट में वेट ट्रेनिंग और दौड़ना शामिल है। वह अपने जिम में एक उच्च दबाव वाले कक्ष में भी ट्रेनिंग लेते हैं। इस कक्ष को लेह की ऊंचाई के हिसाब से बनाया गया है ताकि उनका शरीर वहां के दबाव को सहन करने के काबिल हो जाए। इसके साथ ही सलमान खान ने जंक फूड और गैस वाले ड्रिंक को भी छोड़ दिया है।

पर्दे पर संजीदा वकील शाहिद आजमी से लेकर होनहार श्रीकांत और स्त्री के मसखरे विकी, हर किरदार में पानी की तरह ढल जाने वाले एक्टर राजकुमार राव अपने नाम की तरह अदाकारी के भी राजकुमार हैं। अब अपनी नई फिल्म मालिक में भी वह गैंगस्टर के बिल्कुल नए अंदाज के लिए चर्चा में हैं। ऐसे में, हमने उनकी एक्टिंग, सिनेमा और व्यक्तित्व को लेकर की खास बातचीत -

पत्रलेखा ने मुझे एक बेहतर इंसान बनाया है, उन्हें हमेशा खुद से आगे रखता हूं

आज आप उस मुकाम पर हैं कि आपकी फिल्म 800 करोड़ कमा रही है। इस सफलता के बाद क्या चुनौती रहती है?

हमेशा कुछ नया खोजना, वो हमेशा का संघर्ष है। पहली फिल्म से मेरी कोशिश रही है कि मैं नया कुछ करता रहूं। खुद को बतौर एक्टर थोड़ा और आगे धकेलता रहूं। कभी भी एक तरह का फिल्में ना करूं, क्योंकि फिर एक कंफर्ट आ जाता है। मेरा चैलेंज यही रहा है कि कैसे मैं अच्छी कहानियां ढूंढूं। फिर, हर किरदार एक चैलेंज है। मैं कोशिश करता हूं कि उस किरदार को सबसे बेहतर बना पाऊं कि वह इससे बेहतर नहीं हो सकता था। आप किसी रोल को हल्के में नहीं ले सकते कि यह तो मैं कर दूंगा।

आपकी फिल्म में डायलॉग है कि मालिक पैदा नहीं हुए तो क्या हुआ, बन तो सकते हैं। यह बात आपकी जिंदगी पर भी लागू होती है। आपको कब लगा कि स्टार परिवार में पैदा नहीं हुए तो क्या, स्टार बन तो सकते हैं?

ये काफी पहले से है। मैं गुरुग्राम में एक ज्वाइंट फैमिली में पला-बढ़ा हूं और हम फिल्में बहुत देखते थे। हमने वीसीआर पर बहुत फिल्में देखी हैं, तो मुझे बचपन से ही फिल्मों के प्रति बहुत आकर्षण था। मैं नवीं-दसवीं में था, जब तय कर लिया था कि एक दिन फिल्म एक्टर बनना है। फिर, मैंने वहीं थिएटर करना शुरू कर दिया। फिर, एफटीआईआई में ऐक्टिंग कोर्स ज्वाइन कर लिया। किस्मत से मेरे पैरंट्स, खासकर मेरी मां बहुत सपोर्टिव थीं कि जिंदगी में जो भी करना है वो करो, बस ईमानदारी और मेहनत से करो। सच कहूं तो इस लाइन कि पैदा नहीं हुए तो क्या हुआ, बन तो सकते हैं, मैं इससे बहुत रिलेट कर पाता हूं। मेरा मानना है कि यह बात हर किसी पर लागू होती है कि आप अपनी जिंदगी के मालिक खुद बन सकते हैं।

इधर, आप लगातार कॉमेडी करते हुए दिख रहे थे, ऐसे में मालिक जैसा एक्शन वाला किरदार सही ब्रेक मानते हैं?

इसकी टाइमिंग अच्छी हो गई है। मैं भी ऐसा बहुत सुन रहा हूं, पढ़ रहा हूं कि बहुत स्मॉल टाउन कॉमेडी कर रहा हूं, जो कि सही भी है। पिछले एक साल में 3 कॉमेडी फिल्में आ गईं, स्त्री 2, विकी विद्या का वो वाला विडियो और भूल चूक माफ, पर उसके साथ श्रीकांत भी आई, जो एक बायोपिक थी। मैं और मिसेज माही भी आई, जो ड्रामा थी, पर कॉमेडी शायद लोगों को ज्यादा याद रहती है, तो मालिक की टाइमिंग सही हो गई है। हालांकि, मैंने ये सोचकर फिल्म नहीं की थी कि मुझे ब्रेक चाहिए। मैं हमेशा ही चैलेंजिंग काम ढूंढता रहता हूं। कुछ ऐसा जो मैंने पहले नहीं किया है। मालिक की कहानी बहुत पॉवरफुल है, इसलिए मैंने की।

आपकी अगली फिल्म टोस्टर की निर्माता आपकी पत्नी पत्रलेखा हैं, वहां आप स्टार वाले नखरे दिखा पाए या बीवी होने के नाते वह कमान कसकर रखती थीं। आजकल एक्टर्स की लंबी-चौड़ी टीम पर लेकर भी बड़े सवाल उठ रहे हैं?

पत्रलेखा बहुत अच्छी प्रोड्यूसर हैं। चूंकि, हम दोनों एक्टर हैं तो हमने सोचा कि इतने सालों में जो सीखा है, देखा है, उसे बेहतर ढंग से अपने सेट पर लागू करें और हम दोनों ने अपनी मांओं के नाम को मिलाकर अपना प्रोडक्शन हाउस शुरू किया है। बाकी, नखरे तो मैं कहीं भी नहीं करता हूं। मैं जहां पर काम करता हूं, सबको साथ लेकर चलता हूं। सबके साथ बैठकर खाना खाता हूं, हंसता-बोलता हूं। मेरा मानना है कि बतौर प्रोड्यूसर अगर आपको किसी की मांग वाजिब नहीं लगती तो आप मत दीजिए। आपको बतौर प्रोड्यूसर बहुत सख्त होना चाहिए कि ये नहीं देना है। मेरी तो चार लोगों की टीम है जो पिछले 10 साल से मेरे साथ हैं। आज भी वही हैं, क्योंकि मुझे लगता नहीं कि और किसी की जरूरत है। सब अच्छे से हो रहा है, सब चल रहा है। अगर आपको बतौर प्रोड्यूसर दिक्कत लगती है कि कोई 15-20 लोगों की टीम मांगता है तो मत दीजिए आप।

पत्नी पत्रलेखा को आप हमेशा खुद से आगे रखते हैं। यह खूबी कम पतियों में मिलती है। ये गुर कहां से सीखा?

यह मेरी परवरिश रही है। जो वैल्यूज मुझे मिले मेरी फैमिली से, मेरी मां से। मैंने अपनी मां को जिंदगी में बहुत स्ट्रगल करते हुए देखा है तो दूसरे जेंडर के लिए मेरे मन में बहुत ज्यादा सम्मान है। मैं बिल्कुल भी नहीं चाहता कि जो चीजें मेरी मां ने झेली हैं, वो मेरी वजह से किसी को झेलनी पड़े। इसलिए, मैं एक्स्ट्रा आगे जाकर कोशिश करता हूं कि गलती से भी मेरे से ऐसा ना हो। फिर, पत्रलेखा तो मेरी पत्नी हैं तो और ज्यादा जरूरी है कि उनको कभी जिंदगी में ऐसा ना लगे, तो यह नैचरली मेरे डीएनए में ही है।

स्वामी मुद्रक,प्रकाशक पीतम सिंह द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस,डी-85 सेक्टर-6 नोएडा गौतमबुद्धनगर से मुद्रित करवाकर मकान नं.-57 सोरखा, जाहिदाबाद सेक्टर-115 नोएडा गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित किया। **RNI.NO.UPHIN/2010/31600** इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय गौतमबुद्धनगर न्यायालय के अधीन होगा। **संपादक (प्रमोद यादव) मो.9999164275, E-editorsaimedia@gmail.com**